



# Ratna Jyoti®

An ISO Certified Company  
GSTIN:-19ADBPN6598G1Z1



OUR  
EXPERIENCE  
YOU CAN TRUST



## Sample

26 Mar 2019

10:09 AM

Durgapur

Model: Web-KundliPhal

Order No: 107587501

Phone: +91-341-2668022  
Mobile : +91 -9732150484  
Whatsapp : +91 -9732150484



# RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>  
E-Mail: [astrology@ratnajyoti.com](mailto:astrology@ratnajyoti.com)

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

## शुभभाषण

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।



লিঙ্গ \_\_\_\_\_: পুরুষ  
জন্ম তিথি \_\_\_\_\_: 26/03/2019  
দিন \_\_\_\_\_: মঙ্গলবার  
জন্ম সময় \_\_\_\_\_: 10:09:07 ঘন্টা  
ইন্ট \_\_\_\_\_: 11:12:22 ঘটা  
স্থান \_\_\_\_\_: Durgapur  
দেশ \_\_\_\_\_: India

অক্ষাংশ \_\_\_\_\_: 23:39:18 পূর্ব  
রেখাংশ \_\_\_\_\_: 87:11:23 উত্তর  
মধ্য রেখাংশ \_\_\_\_\_: 82:30:00 পূর্ব  
স্থানীয় সংস্কার \_\_\_\_\_: 00:18:46 ঘন্টা  
গ্রীষ্ম সংস্কার \_\_\_\_\_: 00:00:00 ঘন্টা  
স্থানীয় সময় শোধন \_\_\_\_\_: 10:27:52 ঘন্টা  
বেলাান্তর \_\_\_\_\_: -00:05:48 ঘন্টা  
সাম্পাতিক কাল \_\_\_\_\_: 22:41:15 ঘন্টা  
সূর্যোদয় \_\_\_\_\_: 05:40:10 ঘন্টা  
সূর্যাস্ত \_\_\_\_\_: 17:54:20 ঘন্টা  
দিনমান \_\_\_\_\_: 12:14:10 ঘন্টা  
সূর্য স্থিতি -অয়ন \_\_\_\_\_: উত্তরায়ণ  
সূর্য স্থিতি -গোল \_\_\_\_\_: উত্তর  
ঋতু \_\_\_\_\_: বসন্ত  
সূর্য ডিগ্রী \_\_\_\_\_: 11:06:50 মীন  
লগ্ন ডিগ্রী \_\_\_\_\_: 27:43:29 বৃষ

অবকহড়া চক্র  
লগ্ন-লগ্নাধিপতি \_\_\_\_\_: বৃষ - শুক্র  
রাশি-স্বামী \_\_\_\_\_: বৃশ্চিক - মঙ্গল  
নক্ষত্র-চরণ \_\_\_\_\_: জ্যেষ্ঠা - 1  
নক্ষত্র-স্বামী \_\_\_\_\_: বুধ  
যোগ \_\_\_\_\_: অসূক  
করণ \_\_\_\_\_: বণিজ  
গণ \_\_\_\_\_: অরি  
যোনি \_\_\_\_\_: মৃগ  
নাড়ী \_\_\_\_\_: আদ্য  
বর্ণ \_\_\_\_\_: বিপ্র  
বশ্য \_\_\_\_\_: কীটক  
বর্গ \_\_\_\_\_: সর্প  
মুন্ড \_\_\_\_\_: অন্ত  
হংসক \_\_\_\_\_: জল  
জন্ম নামাঙ্কর \_\_\_\_\_: নো-নৌনিহাল  
পায়া/রাশি-নক্ষত্র \_\_\_\_\_: তাম্র - তাম্র  
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য \_\_\_\_\_: মেঘ

Phone: +91-341-2668022  
Mobile : +91 -9732150484  
Whatsapp : +91 -9732150484



**RATNA JYOTI**®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>  
E-Mail: [astrology@ratnajyoti.com](mailto:astrology@ratnajyoti.com)

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

## পঞ্জিকা

পিতামহের নাম \_\_\_\_\_ :  
বাবার নাম \_\_\_\_\_ :  
মায়ের নাম \_\_\_\_\_ :  
জাতি \_\_\_\_\_ :  
গোত্র \_\_\_\_\_ :

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিশ্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1941	চৈত্র	5
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2075	চৈত্র	13
বাংলা	সন্ : 1425	চৈত্র	11
তামিল	সম্বৎ : 2075	পঙ্গুনী	12
কেরালা	কোল্লম : 1194	মীনম্	12
নেপালী	সম্বৎ : 2075	চৈত্র	12
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2075	চৈত্র	কৃষ্ণ 6
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2075	ফাল্গুন	কৃষ্ণ 6

### পঞ্জিকা

সূর্যোদয় কালীন তিথি \_\_\_\_\_ : 6  
তিথির সমাপ্তিকালীন \_\_\_\_\_ : 20:01:43  
জন্ম তিথি \_\_\_\_\_ : 6  
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র \_\_\_\_\_ : অনুরাধা  
নক্ষত্র সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 07:14:55 ঘন্টা  
জন্মকালীন যোগ \_\_\_\_\_ : জ্যেষ্ঠা  
সূর্যোদয় কালীন যোগ \_\_\_\_\_ : অস্ক  
যোগ সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 17:03:01 ঘন্টা  
জন্মকালীন যোগ \_\_\_\_\_ : অস্ক  
সূর্যোদয় কালীন করণ \_\_\_\_\_ : গণ  
করণ সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 07:54:14 ঘন্টা  
জন্মকালীন করণ \_\_\_\_\_ : বণিজ  
ভয়ৎ \_\_\_\_\_ : 07:15:30  
ভাবক \_\_\_\_\_ : 62:39:29  
ভোগ্য দশা \_\_\_\_\_ : বুধ 15 ব 0 মা 0 দি

### ঘাত চক্র

মাস \_\_\_\_\_ : আশ্বিন  
তিথি \_\_\_\_\_ : 1-6-11  
দিন \_\_\_\_\_ : শুক্রবার  
নক্ষত্র \_\_\_\_\_ : রেবতী  
যোগ \_\_\_\_\_ : ব্যতিপাত  
করণ \_\_\_\_\_ : গণ  
প্রহর \_\_\_\_\_ : 1  
বর্গ \_\_\_\_\_ : গরুড়  
লগ্ন \_\_\_\_\_ : বৃশ্চিক  
সূর্য \_\_\_\_\_ : মকর  
চন্দ্র \_\_\_\_\_ : বৃষ  
মঙ্গল \_\_\_\_\_ : কুন্ত  
বুধ \_\_\_\_\_ : বৃশ্চিক  
বৃহস্পতি \_\_\_\_\_ : মীন  
শুক্র \_\_\_\_\_ : মেঘ  
শনি \_\_\_\_\_ : কর্কট  
রাহু \_\_\_\_\_ : বৃষ

Phone: +91-341-2668022  
Mobile : +91 -9732150484  
Whatsapp : +91 -9732150484



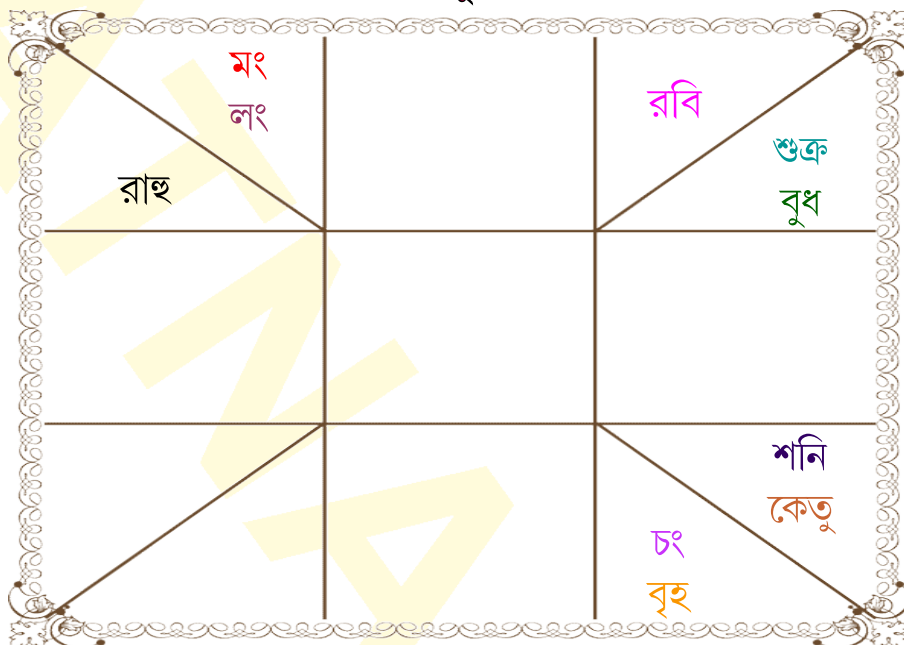
**RATNA JYOTI**®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>  
E-Mail: [astrology@ratnajyoti.com](mailto:astrology@ratnajyoti.com)

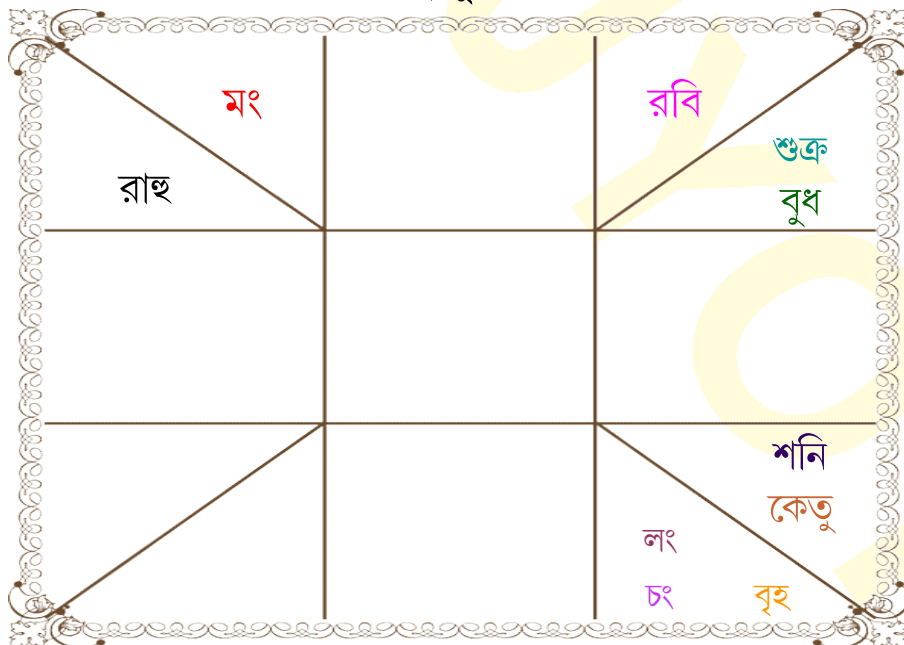
Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

## জন্ম কুন্ডলী

### লগ্ন কুন্ডলী



### চন্দ্র কুন্ডলী



## লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

লগ্ন কুন্ডলী

রবি	মং লং	রাহু
শুক্র বুধ		
কেতু শনি	বৃহ চং	

লগ্ন কুন্ডলী

মং লং	রবি	শুক্র বুধ
রাহু		
		শনি কেতু
		চং বৃহ

বিংশোত্তরী  
বুধ 15ব 0মা 0দি  
বুধ

26/03/2019

27/03/2137

বুধ	26/03/2034
কেতু	26/03/2041
শুক্র	26/03/2061
রবি	26/03/2067
চন্দ্র	26/03/2077
মঙ্গল	25/03/2084
রাহু	27/03/2102
বৃহস্পতি	27/03/2118
শনি	27/03/2137

য়োগিনী  
ভদ্রিকা 4ব 4মা 28দি  
ভদ্রিকা

26/03/2019

23/08/2023

ভদ্রিকা	04/05/2019
উল্কা	03/03/2020
সিদ্ধা	21/02/2021
সঙ্কটা	03/04/2022
মঙ্গলা	24/05/2022
পিঙ্গলা	02/09/2022
ধান্যা	01/02/2023
ভ্রামরী	23/08/2023



## গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ.	স্থিতি
লং			বৃষ	27:43:29	342:24:29	মৃগশিরা	2	5	শুক্র	মং	বৃহ	---
রবি			মীন	11:06:50	00:59:26	উ ভাদ্রপদ	3	26	বৃহ	শনি	চং	মিত্ররাশি
চং			বৃশ্চি	18:14:05	12:56:07	জ্যেষ্ঠা	1	18	মং	বুধ	বুধ	নীচস্থ
মং			বৃষ	02:31:17	00:39:50	কৃত্তিকা	2	3	শুক্র	রবি	বৃহ	সমরাশি
বুধ	ব		কুম্ভ	22:15:09	00:14:05	পূ ভাদ্রপদ	1	25	শনি	বৃহ	শনি	সমরাশি
বৃহ			বৃশ্চি	29:51:13	00:02:53	জ্যেষ্ঠা	4	18	মং	বুধ	শনি	মিত্ররাশি
শুক্র			কুম্ভ	05:07:26	01:12:08	ধনিষ্ঠা	4	23	শনি	মং	রবি	মিত্ররাশি
শনি			ধনু	25:25:15	00:03:18	পূর্বাষাঢ়া	4	20	বৃহ	শুক্র	বুধ	সমরাশি
রাহু	ব		মিথু	29:40:23	00:03:26	পূনর্বসু	3	7	বুধ	বৃহ	চং	উচচস্থ
কেতু	ব		ধনু	29:40:23	00:03:26	উত্তরাষাঢ়া	1	21	বৃহ	রবি	রাহু	উচচস্থ
ইউ			মেঘ	06:51:10	00:03:11	অশ্বিনী	3	1	মং	কেতু	রাহু	---
নেপ			কুম্ভ	22:45:30	00:02:11	পূ ভাদ্রপদ	1	25	শনি	বৃহ	শনি	---
প্লু			ধনু	28:48:59	00:00:52	উত্তরাষাঢ়া	1	21	বৃহ	রবি	মং	---
দশম ভাব			কুম্ভ	14:34:11	--	শতভিষা	--	24	শনি	রাহু	কেতু	--

ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত

রাহু : স্পর্শ

লাহিড়ী অয়নাংশ : 24:07:16

### লগ্ন চলিত

রাহু	-মং লং	রবি	শুক্র বুধ
		শনি	কেতু
		চং বৃহ	

### চন্দ্র কুন্ডলী

রাহু	মং	রবি	শুক্র বুধ
		শনি	কেতু
		লং চং	বৃহ

### নবাংশ কুন্ডলী

রাহু	বুধ	বৃহ	
		মং	
লং	রবি	চং কেতু	শুক্র শনি



## চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

### চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সন্ধি	ভাব মধ্য
1	বৃষ 10:31:56	বৃষ 27:43:29
2	মিথুন 10:31:56	মিথুন 23:20:23
3	কর্কট 06:08:50	কর্কট 18:57:17
4	সিংহ 01:45:44	সিংহ 14:34:11
5	কন্যা 01:45:44	কন্যা 18:57:17
6	তুলা 06:08:50	তুলা 23:20:23
7	বৃশ্চিক 10:31:56	বৃশ্চিক 27:43:29
8	ধনু 10:31:56	ধনু 23:20:23
9	মকর 06:08:50	মকর 18:57:17
10	কুম্ভ 01:45:44	কুম্ভ 14:34:11
11	মীন 01:45:44	মীন 18:57:17
12	মেঘ 06:08:50	মেঘ 23:20:23

### নিরয়ন ভাব চলিত

ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	বৃষ	27:43:29
2	মিথুন	21:48:08
3	কর্কট	16:23:58
4	সিংহ	14:34:11
5	কন্যা	17:50:34
6	তুলা	23:50:24
7	বৃশ্চিক	27:43:29
8	ধনু	21:48:08
9	মকর	16:23:58
10	কুম্ভ	14:34:11
11	মীন	17:50:34
12	মেঘ	23:50:24

### তারা চক্র

জন্ম	সম্পত	বিপত	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
জ্যেষ্ঠা	মূলা	পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ
রেবতী	অশ্বিনী	ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা
অশ্লেষা	মঘা	পূ ফাল্গুনী	উ ফাল্গুনী	হস্তা	চিত্রা	স্বাতী	বিশাখা	অনুরাধা

### চলিত কুম্ভলী

রাহু	লং	মং	রবি	শুক্রে বুধ
			শনি কেতু	চং বৃহ

### ভাব কুম্ভলী

রাহু 2	মং 1	12	রবি 11	শুক্রে বুধ 10
	3			9
	4	5	6	8 শনি কেতু
				7 চং বৃহ





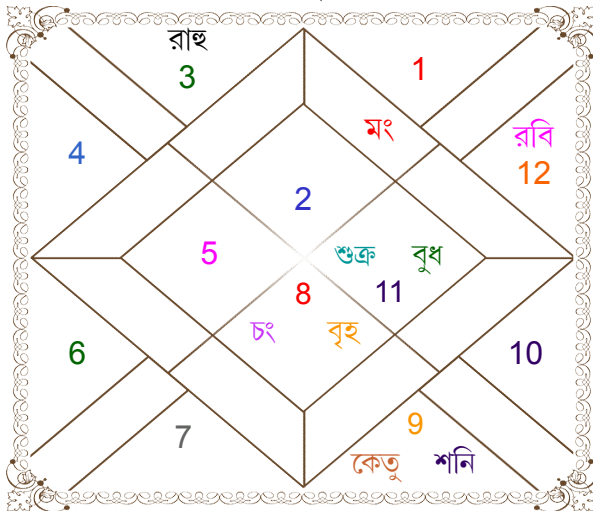
## কারক, অবস্থা, রশ্মি

গ্রহ	কারক			অবস্থা			গ্রহ বল
	চর	স্থির	বালাদি	দীপ্তাদি	শয়নাদি	রশ্মি	
রবি	পুত্র	পিতৃ	বৃদ্ধ	মুদিত	নেত্রপাণি	8.40	56 %
চং	মাতৃ	মাতৃ	কুমার	ভীত	সভা	0.38	52 %
মং	কূলত্র	ভ্রাতৃ	মৃত	নিপীড়িত	প্রকাশ	2.85	24 %
বুধ	ভ্রাতৃ	জ্ঞাতি	বৃদ্ধ	নিপীড়িত	কৌতুক	0.76	55 %
বৃহ	আত্ম	ধন	বাল্য	মুদিত	শয়ন	1.37	59 %
শুক্র	জ্ঞাতি	কূলত্র	বাল্য	মুদিত	সভা	7.59	61 %
শনি	অমাত্য	আয়ুষ-	মৃত	নিপীড়িত	কৌতুক	3.82	60 %
রাহু	---	জ্ঞান	মৃত	দীপ্ত	সভা	0.00	50 %
কেতু	---	মোক্ষ	মৃত	দীপ্ত	প্রকাশ	0.00	50 %
<b>মোট</b>						<b>25.16</b>	

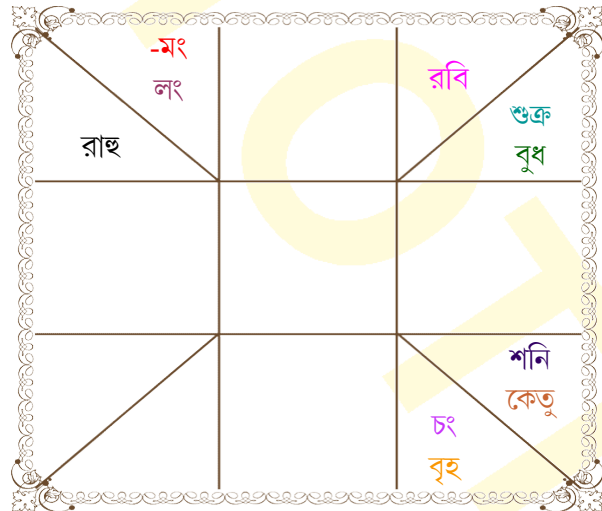
## তারা চক্র

জন্ম	সম্পদ	বিপত	ক্ষেম	প্রত্যাগি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
জ্যেষ্ঠা	মূলা	পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ
রেবতী	অশ্বিনী	ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা
অশ্লেষা	মঘা	পূ ফালগুনী	উ ফালগুনী	হস্তা	চিত্রা	স্বাভী	বিশাখা	অনুরাধা

## চলিত কুন্ডলী



## লগ্ন চলিত



## বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : বুধ 15 বর্ষ 0 মাস 0 দিন

বুধ 17 বর্ষ		কেতু 7 বর্ষ		শুক্র 20 বর্ষ		রবি 6 বর্ষ		চং 10 বর্ষ	
26/03/2019		26/03/2034		26/03/2041		26/03/2061		26/03/2067	
26/03/2034		26/03/2041		26/03/2061		26/03/2067		26/03/2077	
বুধ	22/08/2019	কেতু	22/08/2034	শুক্র	25/07/2044	রবি	13/07/2061	চং	25/01/2068
কেতু	19/08/2020	শুক্র	22/10/2035	রবি	25/07/2045	চং	12/01/2062	মং	25/08/2068
শুক্র	19/06/2023	রবি	27/02/2036	চং	26/03/2047	মং	20/05/2062	রাহু	24/02/2070
রবি	25/04/2024	চং	27/09/2036	মং	25/05/2048	রাহু	13/04/2063	বৃহ	26/06/2071
চং	24/09/2025	মং	23/02/2037	রাহু	26/05/2051	বৃহ	31/01/2064	শনি	24/01/2073
মং	22/09/2026	রাহু	14/03/2038	বৃহ	24/01/2054	শনি	12/01/2065	বুধ	25/06/2074
রাহু	10/04/2029	বৃহ	18/02/2039	শনি	26/03/2057	বুধ	18/11/2065	কেতু	24/01/2075
বৃহ	17/07/2031	শনি	28/03/2040	বুধ	25/01/2060	কেতু	26/03/2066	শুক্র	24/09/2076
শনি	26/03/2034	বুধ	26/03/2041	কেতু	26/03/2061	শুক্র	26/03/2067	রবি	26/03/2077

মং 7 বর্ষ		রাহু 18 বর্ষ		বৃহ 16 বর্ষ		শনি 19 বর্ষ		বুধ 17 বর্ষ	
26/03/2077		25/03/2084		27/03/2102		27/03/2118		27/03/2137	
25/03/2084		27/03/2102		27/03/2118		27/03/2137		00/00/0000	
মং	22/08/2077	রাহু	07/12/2086	বৃহ	14/05/2104	শনি	30/03/2121	বুধ	27/03/2139
রাহু	09/09/2078	বৃহ	01/05/2089	শনি	25/11/2106	বুধ	08/12/2123		00/00/0000
বৃহ	16/08/2079	শনি	07/03/2092	বুধ	02/03/2109	কেতু	16/01/2125		00/00/0000
শনি	24/09/2080	বুধ	25/09/2094	কেতু	06/02/2110	শুক্র	17/03/2128		00/00/0000
বুধ	21/09/2081	কেতু	13/10/2095	শুক্র	07/10/2112	রবি	27/02/2129		00/00/0000
কেতু	17/02/2082	শুক্র	13/10/2098	রবি	26/07/2113	চং	29/09/2130		00/00/0000
শুক্র	20/04/2083	রবি	07/09/2099	চং	25/11/2114	মং	07/11/2131		00/00/0000
রবি	25/08/2083	চং	08/03/2101	মং	01/11/2115	রাহু	13/09/2134		00/00/0000
চং	25/03/2084	মং	27/03/2102	রাহু	27/03/2118	বৃহ	27/03/2137		00/00/0000

❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশ আধারিত । ভয়াত ভোগ্য আধারিত দশা ভোগ্যকাল বুধ ১৫ ব ০ মা ১১ দি হয় ।

❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময় । বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্গিত, আয়ুনির্ণয় ব্যতীত ।



## বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

বুধ - বুধ	বুধ - কেতু	বুধ - শুক্র	বুধ - রবি	বুধ - চং
<b>26/03/2019</b>	<b>22/08/2019</b>	<b>19/08/2020</b>	<b>19/06/2023</b>	<b>25/04/2024</b>
<b>22/08/2019</b>	<b>19/08/2020</b>	<b>19/06/2023</b>	<b>25/04/2024</b>	<b>24/09/2025</b>
00/00/0000	কেতু 12/09/2019	শুক্র 07/02/2021	রবি 05/07/2023	চং 07/06/2024
00/00/0000	শুক্র 12/11/2019	রবি 31/03/2021	চং 31/07/2023	মং 07/07/2024
00/00/0000	রবি 30/11/2019	চং 25/06/2021	মং 18/08/2023	রাহু 23/09/2024
00/00/0000	চং 30/12/2019	মং 24/08/2021	রাহু 04/10/2023	বৃহ 01/12/2024
00/00/0000	মং 20/01/2020	রাহু 27/01/2022	বৃহ 14/11/2023	শনি 21/02/2025
00/00/0000	রাহু 15/03/2020	বৃহ 14/06/2022	শনি 02/01/2024	বুধ 05/05/2025
26/03/2019	বৃহ 02/05/2020	শনি 24/11/2022	বুধ 15/02/2024	কেতু 04/06/2025
বৃহ 05/04/2019	শনি 28/06/2020	বুধ 20/04/2023	কেতু 04/03/2024	শুক্র 29/08/2025
শনি 22/08/2019	বুধ 19/08/2020	কেতু 19/06/2023	শুক্র 25/04/2024	রবি 24/09/2025
বুধ - মং	বুধ - রাহু	বুধ - বৃহ	বুধ - শনি	কেতু - কেতু
<b>24/09/2025</b>	<b>22/09/2026</b>	<b>10/04/2029</b>	<b>17/07/2031</b>	<b>26/03/2034</b>
<b>22/09/2026</b>	<b>10/04/2029</b>	<b>17/07/2031</b>	<b>26/03/2034</b>	<b>22/08/2034</b>
মং 15/10/2025	রাহু 08/02/2027	বৃহ 29/07/2029	শনি 19/12/2031	কেতু 04/04/2034
রাহু 09/12/2025	বৃহ 12/06/2027	শনি 07/12/2029	বুধ 07/05/2032	শুক্র 29/04/2034
বৃহ 26/01/2026	শনি 07/11/2027	বুধ 04/04/2030	কেতু 03/07/2032	রবি 06/05/2034
শনি 24/03/2026	বুধ 18/03/2028	কেতু 22/05/2030	শুক্র 14/12/2032	চং 18/05/2034
বুধ 15/05/2026	কেতু 11/05/2028	শুক্র 07/10/2030	রবি 01/02/2033	মং 27/05/2034
কেতু 05/06/2026	শুক্র 13/10/2028	রবি 17/11/2030	চং 24/04/2033	রাহু 18/06/2034
শুক্র 04/08/2026	রবি 29/11/2028	চং 25/01/2031	মং 20/06/2033	বৃহ 08/07/2034
রবি 22/08/2026	চং 15/02/2029	মং 15/03/2031	রাহু 15/11/2033	শনি 01/08/2034
চং 22/09/2026	মং 10/04/2029	রাহু 17/07/2031	বৃহ 26/03/2034	বুধ 22/08/2034
কেতু - শুক্র	কেতু - রবি	কেতু - চং	কেতু - মং	কেতু - রাহু
<b>22/08/2034</b>	<b>22/10/2035</b>	<b>27/02/2036</b>	<b>27/09/2036</b>	<b>23/02/2037</b>
<b>22/10/2035</b>	<b>27/02/2036</b>	<b>27/09/2036</b>	<b>23/02/2037</b>	<b>14/03/2038</b>
শুক্র 01/11/2034	রবি 29/10/2035	চং 16/03/2036	মং 06/10/2036	রাহু 22/04/2037
রবি 22/11/2034	চং 08/11/2035	মং 28/03/2036	রাহু 28/10/2036	বৃহ 12/06/2037
চং 28/12/2034	মং 16/11/2035	রাহু 29/04/2036	বৃহ 17/11/2036	শনি 12/08/2037
মং 22/01/2035	রাহু 05/12/2035	বৃহ 28/05/2036	শনি 11/12/2036	বুধ 05/10/2037
রাহু 27/03/2035	বৃহ 22/12/2035	শনি 30/06/2036	বুধ 01/01/2037	কেতু 27/10/2037
বৃহ 23/05/2035	শনি 11/01/2036	বুধ 31/07/2036	কেতু 10/01/2037	শুক্র 30/12/2037
শনি 29/07/2035	বুধ 29/01/2036	কেতু 12/08/2036	শুক্র 03/02/2037	রবি 18/01/2038
বুধ 27/09/2035	কেতু 06/02/2036	শুক্র 16/09/2036	রবি 11/02/2037	চং 19/02/2038
কেতু 22/10/2035	শুক্র 27/02/2036	রবি 27/09/2036	চং 23/02/2037	মং 14/03/2038



## বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

<b>কেতু - বৃহ</b>	<b>কেতু - শনি</b>	<b>কেতু - বুধ</b>	<b>শুক্র - শুক্র</b>	<b>শুক্র - রবি</b>
<b>14/03/2038</b>	<b>18/02/2039</b>	<b>28/03/2040</b>	<b>26/03/2041</b>	<b>25/07/2044</b>
<b>18/02/2039</b>	<b>28/03/2040</b>	<b>26/03/2041</b>	<b>25/07/2044</b>	<b>25/07/2045</b>
বৃহ 28/04/2038	শনি 23/04/2039	বুধ 19/05/2040	শুক্র 15/10/2041	রবি 12/08/2044
শনি 21/06/2038	বুধ 19/06/2039	কেতু 09/06/2040	রবি 14/12/2041	চং 12/09/2044
বুধ 09/08/2038	কেতু 13/07/2039	শুক্র 08/08/2040	চং 26/03/2042	মং 03/10/2044
কেতু 28/08/2038	শুক্র 18/09/2039	রবি 26/08/2040	মং 05/06/2042	রাহু 27/11/2044
শুক্র 24/10/2038	রবি 08/10/2039	চং 26/09/2040	রাহু 05/12/2042	বৃহ 15/01/2045
রবি 10/11/2038	চং 11/11/2039	মং 17/10/2040	বৃহ 16/05/2043	শনি 14/03/2045
চং 09/12/2038	মং 05/12/2039	রাহু 10/12/2040	শনি 25/11/2043	বুধ 04/05/2045
মং 29/12/2038	রাহু 04/02/2040	বৃহ 27/01/2041	বুধ 15/05/2044	কেতু 26/05/2045
রাহু 18/02/2039	বৃহ 28/03/2040	শনি 26/03/2041	কেতু 25/07/2044	শুক্র 25/07/2045
<b>শুক্র - চং</b>	<b>শুক্র - মং</b>	<b>শুক্র - রাহু</b>	<b>শুক্র - বৃহ</b>	<b>শুক্র - শনি</b>
<b>25/07/2045</b>	<b>26/03/2047</b>	<b>25/05/2048</b>	<b>26/05/2051</b>	<b>24/01/2054</b>
<b>26/03/2047</b>	<b>25/05/2048</b>	<b>26/05/2051</b>	<b>24/01/2054</b>	<b>26/03/2057</b>
চং 14/09/2045	মং 20/04/2047	রাহু 06/11/2048	বৃহ 03/10/2051	শনি 26/07/2054
মং 20/10/2045	রাহু 23/06/2047	বৃহ 01/04/2049	শনি 05/03/2052	বুধ 06/01/2055
রাহু 19/01/2046	বৃহ 19/08/2047	শনি 21/09/2049	বুধ 21/07/2052	কেতু 15/03/2055
বৃহ 10/04/2046	শনি 25/10/2047	বুধ 24/02/2050	কেতু 16/09/2052	শুক্র 23/09/2055
শনি 16/07/2046	বুধ 25/12/2047	কেতু 28/04/2050	শুক্র 25/02/2053	রবি 20/11/2055
বুধ 10/10/2046	কেতু 18/01/2048	শুক্র 28/10/2050	রবি 15/04/2053	চং 25/02/2056
কেতু 14/11/2046	শুক্র 30/03/2048	রবি 22/12/2050	চং 05/07/2053	মং 02/05/2056
শুক্র 24/02/2047	রবি 20/04/2048	চং 23/03/2051	মং 31/08/2053	রাহু 22/10/2056
রবি 26/03/2047	চং 25/05/2048	মং 26/05/2051	রাহু 24/01/2054	বৃহ 26/03/2057
<b>শুক্র - বুধ</b>	<b>শুক্র - কেতু</b>	<b>রবি - রবি</b>	<b>রবি - চং</b>	<b>রবি - মং</b>
<b>26/03/2057</b>	<b>25/01/2060</b>	<b>26/03/2061</b>	<b>13/07/2061</b>	<b>12/01/2062</b>
<b>25/01/2060</b>	<b>26/03/2061</b>	<b>13/07/2061</b>	<b>12/01/2062</b>	<b>20/05/2062</b>
বুধ 19/08/2057	কেতু 18/02/2060	রবি 31/03/2061	চং 28/07/2061	মং 19/01/2062
কেতু 19/10/2057	শুক্র 29/04/2060	চং 09/04/2061	মং 08/08/2061	রাহু 08/02/2062
শুক্র 09/04/2058	রবি 21/05/2060	মং 16/04/2061	রাহু 05/09/2061	বৃহ 25/02/2062
রবি 31/05/2058	চং 25/06/2060	রাহু 02/05/2061	বৃহ 29/09/2061	শনি 17/03/2062
চং 25/08/2058	মং 20/07/2060	বৃহ 17/05/2061	শনি 28/10/2061	বুধ 04/04/2062
মং 25/10/2058	রাহু 22/09/2060	শনি 03/06/2061	বুধ 23/11/2061	কেতু 11/04/2062
রাহু 29/03/2059	বৃহ 18/11/2060	বুধ 19/06/2061	কেতু 03/12/2061	শুক্র 03/05/2062
বৃহ 14/08/2059	শনি 24/01/2061	কেতু 25/06/2061	শুক্র 03/01/2062	রবি 09/05/2062
শনি 25/01/2060	বুধ 26/03/2061	শুক্র 13/07/2061	রবি 12/01/2062	চং 20/05/2062



## শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাক্ষ, ভাগ্যাক্ষ এবং মিত্রাঙ্কর সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরূপ মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সুস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

মূলাক্ষ	8
ভাগ্যাক্ষ	5
মিত্র অক্ষ	1, 2, 8, 5
শত্রু অক্ষ	3, 7, 9
শুভ বর্ষ	26,35,44,53,62
শুভ দিন	শনি, বুধ, শুক্র
শুভ গ্রহ	শনি, বুধ, শুক্র
মিত্র রাশি	কর্কট, সিংহ
মিত্র লগ্ন	সিংহ, মকর, মীন
অনুকূল দেবতা	শিব
শুভ রত্ন	হীরা
শুভ উপরত্ন	জারকন, সোনালী হকীক
ভাগ্য রত্ন	নীলা
শুভ ধাতু	রৌপ্য
শুভ রং	রজত
শুভ দিক্	দক্ষিণপূর্ব
শুভ সময়	সূর্যোদয়
দান পদার্থ	মিশ্রি, দধি, শেবতচন্দন
দান অন্ন	চাউল
দান দ্রব্য	দুধ

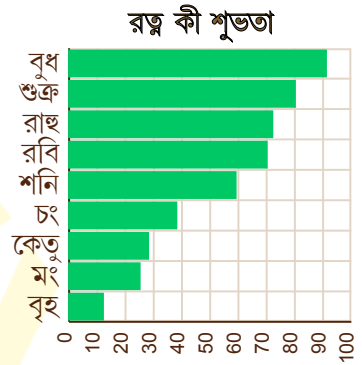


## রত্ন চয়ন

রত্ন জীবন মেং শুভত্ব কী বৃদ্ধি কে লিএ ধারণ কিএ জাতে হৈং। বৈজ্ঞানিক রূপ সে, রত্ন অপনে গৃহ কী রাশিযোগে কো পর্ণমাত্রা মেং মানব শরীর মেং প্রবাহিত কর গৃহ প্রভাব কী বৃদ্ধি করতে হৈং। যহী কারণ হৈ কি রত্ন কেবল শুভ গৃহোং কা হী ধারণ কিয়া জাতা হৈ। গৃহ শুভ মানা জাতা হৈ যদি যহ লগ্ন, ত্রিকোণ যা কেন্দ্র মেং স্থাপিত হো যা স্বামী হো। যহ অশুভ হোতা হৈ যদি যহ ত্রিক ভাব সে সংবংধিত হো। মিত্রোং কী ফতি যা দৃষ্টি ভী ইসকী শুভতা বঢ়াতী হৈ। বাধক ভাব কা স্বামিত্ব শুভতা কম কর দেতা হৈ। চর লগ্নোং মেং একাদশ, স্থির মেং নবম ব দ্বিস্বভাব মেং সপ্তম ভাব কী বাধক সংজ্ঞা হৈ। উপরোক্ত তথ্য রত্ন চয়ন হেতু গৃহ কী শুভতা দশাতে হৈং।

নীচে জন্মকন্ডলী মেং গৃহোং কী শুভতা কো সারণী ব গ্রাফ মেং দর্শিত কিয়া गया হৈ। साथ ही केटौन सा गृह किस त्वे मेং कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों कী शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस गृह को १५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसेहं ५०-१५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उमेंहं कार्य त्वे अनूसार ब अनूकल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल २५-५० प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अस्ततः जिसेहं २५ प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे गृह अपने लिए अशुभ ही समरों नर उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	गृह	शुभता	क्षेत्र
पान्ना	बुध	91%	व्यवसायिक उन्नति, धन, सन्तति सुख
हीरा	शुक्र	80%	व्यवसायिक उन्नति, स्वास्थ्य, शत्रु एवं रोग मुक्ति
गोमेद	राह	72%	धन, व्यवसायिक उन्नति
माणिक्य	रवि	70%	धनार्जन, सुख
नीला	शनि	59%	दुर्घटना एड़ानो, भाग्योदय, व्यवसायिक उन्नति
मुञ्ज	चं	38%	दाम्पत्य कष्ट, पराक्रम हानि
वैदूर्यमनि	केतु	28%	दुर्घटना, दाम्पत्य कष्ट
प्रवाल	मं	25%	रोग, व्यय, दाम्पत्य कष्ट
पोखराज	बृह	12%	दाम्पत्य कष्ट, दुर्घटना, हानि



## दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मुञ्ज	प्रवाल	पान्ना	पोखराज	हीरा	नीला	गोमेद	वैदूर्यमनि
बुध	26/03/2034	77%	12%	25%	100%	12%	86%	59%	72%	28%
केतु	26/03/2041	58%	12%	38%	91%	12%	86%	44%	59%	52%
शुक्र	26/03/2061	58%	12%	25%	97%	12%	92%	66%	78%	41%
रवि	26/03/2067	83%	50%	38%	91%	25%	67%	44%	59%	3%
चं	26/03/2077	77%	56%	25%	97%	12%	80%	59%	59%	3%
मं	25/03/2084	77%	50%	50%	78%	25%	80%	59%	59%	41%
राह	27/03/2102	58%	12%	0%	91%	12%	86%	66%	84%	3%
बृह	27/03/2118	77%	50%	38%	78%	38%	67%	59%	72%	28%
शनि	27/03/2137	58%	12%	0%	97%	12%	86%	72%	78%	3%



## Detailed Analysis of Gems

ঐশ্বর্যময়ীমণি স্বর্ষ্যমণি স্বর্ষ্যমণি প্রভৃতিগুণবিশিষ্ট জ্ঞানময়ীমণি টি  
স্বর্ষ্যমণি স্বর্ষ্যমণি স্বর্ষ্যমণি স্বর্ষ্যমণি স্বর্ষ্যমণি স্বর্ষ্যমণি টি

Medicine, Gems and Mantras are effective in overcoming the diseases caused by planets and stars. If the time is favorable the expected results are obtained otherwise all these remedial measures turn useless.

A Gem enhances the physical charm of the wearer and increases the power and reduces the malefic influence of planet with its mysterious powers. The flow of radiations emitted by planets in our body gets enhanced with the power of gems. Therefore, those planets which are auspicious in horoscope but lack strength can be strengthened by wearing gems. But contrary to this the gems of inauspicious planets multiply the malefic effects of such inauspicious planets. This is the reason because of which astrologers advise complete relinquishing of the gems of inauspicious planets in horoscope.

A planet is considered favorable when posited in Lagna, Trikona or Kendra or has the lordship of these houses. This is inauspicious if connected to Trik Bhava. The conjunction and aspect of friendly planets also enhances its auspiciousness. The lordship of a Badhak Bhava reduces its beneficence. In movable Lagnas 11th, in stationary Lagnas 9th and in dual Lagnas the 7th house is termed as Badhak Bhava. The placement of planets in their enemy sign or sign of debilitation also decreases their auspiciousness.

For any horoscope the gem of Lagna lord is known as life stone by wearing which the wearer gets good results like attainment of good health, development of personality and enhancement of reputation. The gem of 9th house lord is termed as lucky stone by wearing which the development of destiny can be expected along with enhancement of status. Similarly the gem of Yoga Karaka planet is Karaka gem and has enough potential to give financial gains and progress in the task undertaken along



with all round development.

For the gratification of various desires one might need to wear more than one gem. The detailed information about which gem would yield what type of results in your horoscope has been given below. In addition to that the method of wearing has also been given along with the names of the other gems that can be worn with it. You can attain maximum success in life with right selection of gems.

A clear gem with clear cutting can absorb more radiations therefore the gems of good quality only are capable of giving completely beneficial result. The weight of the gem should be in proportion to the weakness of the planet and body weight. If the planet is very weak then the weight of gem should be heavier. Except diamond all the gems should be touching the skin. Gems worn in fingers in specific metal prove most beneficial.

If because of some reason one needs to remove the gem then it should be placed in a safe place after washing it with Gangajal on the day of it. If gem gets misplaced or stolen away then it is an indication of the removal of the malefic influence of the planet. Similarly if the gem loses its charm then again it also indicates the same. If the gem cracks then it means that the planet for which it is worn is very effective and in this situation this specific planet should be propitiated and the gem should be replaced by a new one.

For attaining the auspiciousness of inauspicious planets in the horoscope the remedial measures like wearing of Rudraksha, Mantra chanting, donation of its Karaka article, Jal Visarjan and fasting etc. can be recommended. If because of some reason you are incapable to wear the required gem then wear the Rudrakshas or semiprecious stones as substitute for this gem or else increase the strength of the planet by Mantra chanting, donation or fasting. The desired benefits are obtained by wearing the gem of auspicious planet and by Jal Visarjan and donation of the article or grain of inauspicious planets.





## Your Horoscope and Gems

For you wearing Emerald or Diamond gem is highly auspicious. By wearing it you can expect all round development with financial gains along with progress on professional front.

For you Diamond gem is your life stone by wearing which your health shall be excellent. It shall enhance your confidence and reputation along with progress on professional front.

For you Emerald gem is your Karaka Ratna. By wearing which you can expect growth on professional front. You would earn financial gains, wealth and property along with inflow of new energy in your life.

Therefore, you must wear above-mentioned gems throughout life. By wearing all these gems, the beneficence of all planets with all types of comforts can be expected. All above-mentioned gems can be worn without considering and analyzing any Dasha and transit as all of them are very highly auspicious.

For you Gomed, Ruby or Blue-Sapphire are auspicious but these gems are capable of yielding auspicious and inauspicious results as per Dasha. Therefore, if you wear these in the Dasha of its ruling planet or friendly planet then they would generate beneficial results. It would be better not to wear these gems in the Dasha of an enemy planet. During that time the remedies should be done by wearing Rudraksha, chanting Mantra or donating articles of Dasha Lord.

Pearl, Cat's eye or Coral are highly negative gems for you therefore it would be better not to wear. If you wish to wear then you must check the auspiciousness of these gems. You should wear them in case you experience the good results otherwise remove immediately. By wearing these gems you might suffer from mental tensions, loss of health and financial troubles.

Wearing Yellow-Sapphire gem might bring in lot of troubles for you. You should not wear it at all because there is not any probability of getting its auspicious results in any Dasha and



transit. By wearing it, you might suffer from troubles in matters related to social life, health and finance.

The detailed information about the impact of various gems along with the method of wearing is given below-

### **Emerald**

In your horoscope the planet Mercury placed in 10th house is auspicious for you so by wearing its gem you would become fond of justice and a good policy maker. It shall enhance your spiritual discrimination, positive qualities, and truthfulness. This gem would enhance your patience and humility. This gem would also give you the ability to talk according to situation. The impact of this gem shall also make you famous and practical. After wearing this gem you would be able to get a new vehicle. The auspiciousness of this gem would make you a rich land lord too. You would earn gains and success from business.

For your Taurus ascendant Mercury is the lord of 2nd and 5th house so by wearing its gem Emerald you would be able to get success and recognition from your business. Family related tensions shall get eliminated. This gem can help you get good results from children, education, intelligence and society. Your prosperity and chances of success in competitive examinations shall also increase. You would also be successful in political activities.

Wear Emerald studded in a gold ring in little finger on Wednesday morning after having bath. Do the purification of gem by washing it with Panchamrita and showing incense and lamp to it. After wearing recite "Om Boong Budhaay Namah" Mantra at least 108 times. After this, donate green dal, musk (kastoori), bronze and green cloth. The weight of this gem should be 3 to 6 carats.

You can also wear emerald in locket, rosary and bracelet or in other hand. If you are incapable of wearing Emerald then you can wear green tourmaline, zade, green agate, peridot or four faced Rudraksha.



## Diamond

The planet Venus placed in 10th house of your horoscope is auspicious for you so by wearing its gem diamond you would remain cool, calm and composed. You would stay away arguments. You would be morally strong after wearing it. You would be religious and kind hearted. With the impact of it you would be highly interested in charity. You would also become an eloquent speaker. You won't be having shortage of funds. You would also gain a good post of responsibility. You would be taking lot of interest in singing, dancing, cinema and other fine arts.

For your Taurus ascendant Venus is the lord of 1st and 6th house. It is auspicious for you so by wearing its gem diamond you would be able to increase your immunity, health and personality. You would get rid of health troubles, enemies and debts etc. You would have control over your enemies. Your confidence and working efficiency shall also get enhanced. You would be successful in competitive examination, earning material comforts and enjoying happy married life.

Wear diamond studded in a gold ring on Friday morning in ring finger after having bath. Do the purification of gem by washing it with Panchamrita and showing incense and lamp to it. After wearing recite "Om Shoong Shukraay Namah" Mantra at least 108 times. After this, donate rice, Ghee, silver and white cloth. The weight of this gem should be more than 1 carat. One can wear it in small pieces too.

Avoid wearing Ruby, Coral and Yellow Sapphire along with Diamond. If you find wearing these gems very necessary then in that case wear them in locket, rosary, bracelet or in other hand. If you are incapable of wearing diamond then you can wear opal, American diamond, crystal or six faced Rudraksha.

## Gomed

The planet Rahu placed in 2nd house of your horoscope is auspicious for you so by wearing its gem hessonite you shall become cautious about enhancing your saving potential. You shall become greedier for money. You would start becoming



truthful. You would make money with your shrewdness and clever policies. Your nature would be certainly cool. You shall follow the family traditions religiously. You shall become very expert in expressing your view point.

Rahu is in Gemini and its lord ॐ३३ is in 10th house. Therefore by wearing Gomed you would be able to rise professionally with your cleverness. This gem shall give you higher status, honor and power in the area of your work. You would become very practical in your behavior after wearing it. The auspiciousness of this gem shall make you wise, prosperous and happy. You shall get tremendous support of father. This gem shall protect you from getting into unnecessary arguments. This gem shall reduce your work load. There would be stability and security in your professional life. By wearing this gem you shall be getting the support and cooperation of subordinates. You would become hard working and lover of justice. You would also be getting opportunities to enjoy the association of excellent people.

Wear blue hessonite (Gomed) studded in a mixed metal ring on Saturday during sun set time in middle finger after having bath. Do the purification of gem by washing it with Panchamrita and showing incense and lamp to it. After wearing recite "Om Raang Rahvey Namah" Mantra at least 108 times. After this, donate black daal, Black Til (sesame), oil, blanket and blue cloth. The weight of this gem should be 4 to 10 carats.

Avoid wearing Ruby, Coral and Pearl along with Hessonite. If you find wearing these gems very necessary then in that case wear them in locket, rosary, bracelet or in other hand. If you are incapable of wearing hessonite then you can wear its substitute gems or eight faced Rudraksha.

### Ruby

The planet Sun placed in 11th house is auspicious for you so by wearing its gem Ruby you shall become powerful, truthful, proud, wealthy, and happy. You shall practice asceticism and Yoga. The gem Ruby would bring in success in winning over your enemies and you shall also be able to attain a higher post



of responsibility and your relations with senior officers would get strengthened. The gem Ruby would turn you ambitious.

For your Taurus ascendant the planet Sun is the lord of 4th house so by wearing its gem Ruby there shall be an increase in your comfort from property, house, landed property, parental property, mother and also vehicle. This gem shall also enhance your educational knowledge. This gem would also enhance your process of thought, power of determination, ability to accomplish tasks and working efficiency. This gem would give you educational, mental, physical, spiritual and intellectual strength.

Wear Ruby studded in gold ring in ring on Sunday morning after having bath. Do the purification of gem by washing it with Panchamrita and showing incense and lamp to it. After wearing recite "Om Ghrini Suryay Namah" Mantra at least 108 times. After this, donate jaggery, wheat, sandal and red cloth. The weight of this gem should be 4 to 8 carats.

Avoid wearing blue sapphire and Gomed along with Ruby. If you find wearing these gems very necessary then in that case wear them in locket or in other hand. If you are incapable of wearing Ruby then you can wear red tourmaline, pink agate, garnet or one faced Rudraksha.

### **Blue-Sapphire**

The planet Saturn placed in 8th house of your horoscope is auspicious for you so by wearing its gem blue sapphire you shall get good results like enhancement in your generosity, erudition and boldness. You might earn sudden financial gains and might get inherited property too and in addition to that there shall be substantial increase in your knowledge of occult sciences.

For your Taurus ascendant Saturn is 10th lord and 9th lord. It is auspicious for you so by wearing its gem Blue sapphire there would be quick growth in your destiny and professional life. This gem shall bring happiness for your parents. This gem shall give you quick solution for your landed property, house and building etc. By wearing this gem your tasks related to employment shall get solved easily. This gem can be equally



beneficial in overcoming the difficulties from your area of gains. You would be able to earn gains from abroad.

Wear blue sapphire studded in a mixed metal ring on Saturday morning in middle finger after having bath. Do the purification of gem by washing it with Panchamrita and showing incense and lamp to it. After wearing recite "Om Shang Shaneshcharaay Namah" Mantra at least 108 times. After this, donate black daal, Black Til (sesame), oil, iron and black cloth. The weight of this gem should be 3 to 6 carats.

Avoid wearing Ruby, Coral and Yellow Sapphire along with blue sapphire. If you find wearing these gems very necessary then in that case wear them in locket, rosary, bracelet or in other hand. If you are incapable of wearing blue sapphire then you can wear Turquoise, Amethyst, Neeli or six faced Rudraksha.

### Pearl

The planet Moon placed in the 7th house of your horoscope is incapable of yielding all auspicious results so by wearing its gem you would face difficulties to stick to one specific business. You shall have to put in extra efforts for the fulfillment of your desires. This gem can delay your marriage and it would be highly difficult for you to develop good compatibility with spouse. Your patience and the quality of leadership might get reduced and further it might become difficult to go on abroad journey or get benefitted from such journey. Stay away from sexuality and greed.

For your Taurus ascendant Moon is lord of 3rd house. Moon is not auspicious for you so by wearing its gem pearl you won't be able to increase your influence. You would not be getting any significant improvement in your intelligence, education and issue comfort. You would not be getting the cooperation of your siblings and this gem shall not keep you contented. It would not develop your destiny and you would not be getting cooperation and support of people in following religious path.



## Cat's eye

The planet Ketu placed in the 8th house of your horoscope is incapable of yielding its all auspicious results so by wearing its gem cat's eye you shall become greedier and clever. You might give physical and mental troubles to others. Unintentionally you might make some mistakes. There shall be lack of spiritual discrimination in the tasks undertaken by you. You might suffer from diseases related to mouth and teeth. It can cause sudden financial losses too. There is probability of surgery etc too.

Ketu is in Sagittarius and its lord  $\hat{\text{ó}}\hat{\text{y}}\hat{\text{í}}\hat{\text{ó}}\hat{\text{z}}\hat{\text{í}}$  is in 7th house. Therefore by wearing Cat's eye you would suffer from wind related diseases. Your marital happiness shall decrease. There won't be harmony and affection in your relation with your spouse. There would be bitterness in your nature. You won't be getting association and support of friends to start independent business. By wearing this gem your relation with your spouse and partner shall get damaged. It shall be difficult for you to earn money and recognition abroad. You won't get opportunities to go abroad.

## Coral

Mars positioned in the first house of your horoscope is incapable of yielding all auspicious results so by wearing its gem coral you might become audacious as a result of which you might become victim of sudden injuries or accident. You won't be able to work under extra pressure. It can cause problem like headache also too you. Your language might not remain balanced and you might lose your temper unnecessarily. You shall have to struggle a lot for winning over your enemies. You might suffer from health problems, obstacles in happiness and family life.

For your Taurus ascendant Mars is the lord of 2nd and 12th house. Mars is inauspicious for you so by wearing its gem coral your physical weakness and blood related elements might trouble you. It might bring losses from from outer connections and faraway places. It would create problems in matters related to



mother, property and house etc. This shall be highly negative for marital bliss and profession. Your expenses might turn uncontrollable after wearing it.

### **Yellow-Sapphire**

The planet Jupiter placed in the 7th house of your horoscope is incapable of yielding its all auspicious results so by wearing its gem yellow sapphire you might face troubles in government jobs, legal works, consultation and painting etc. You might not take much interest in opposite sex. The married life might not be very good. You won't be faithful to your spouse. You won't be able to give sufficient time to your family life. After wearing this gem you won't be very successful in your professional life.

For your Taurus ascendant Jupiter is the lord of 8th and 11th house. It is inauspicious for you so by wearing its gem yellow sapphire there won't be improvement in your inflow of money through your hard work. It cannot enhance your longevity and protect you from difficulties of life. This gem is not auspicious for your education and issue comfort. Similarly, it can also not overcome the difficulties from the inflow of money. This gem can bring misfortunes and difficulties for you.

### **Gem Recommendation as Per Dasha**

বুধ

**(26/03/2019 - 26/03/2034)**

In the Dasha of ẽ³ñ it would be excellent to wear Emerald, Diamond or Ruby. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Gomed or Blue-Sapphire are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Cat's eye or Coral are inauspicious gems for you. and Pearl or Yellow-Sapphire are forbidden gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.





केतु

(26/03/2034 - 26/03/2041)

In the Dasha of ĒBî³ it would be excellent to wear Emerald or Diamond. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Gomed, Ruby or Cat's eye are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Blue-Sapphire or Coral are inauspicious gems for you. and Pearl or Yellow-Sapphire are forbidden gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.

शुक्र

(26/03/2041 - 26/03/2061)

In the Dasha of qa it would be excellent to wear Emerald, Diamond or Gomed. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Blue-Sapphire or Ruby are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Cat's eye or Coral are inauspicious gems for you. and Pearl or Yellow-Sapphire are forbidden gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.

रवि

(26/03/2061 - 26/03/2067)

In the Dasha of õpłõ it would be excellent to wear Emerald or Ruby. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Diamond, Gomed or Pearl are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Blue-Sapphire, Coral or Yellow-Sapphire are inauspicious



gems for you. and Cat's eye is forbidden gem for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.

চন্দ্র

**(26/03/2067 - 26/03/2077)**

In the Dasha of äKõ~ it would be excellent to wear Emerald, Diamond or Ruby. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Blue-Sapphire, Gomed or Pearl are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Coral is inauspicious gem for you and Yellow-Sapphire or Cat's eye are forbidden gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.

মঙ্গল

**(26/03/2077 - 25/03/2084)**

In the Dasha of ÷/ù it would be excellent to wear Diamond, Emerald or Ruby. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Blue-Sapphire, Gomed, Pearl or Coral are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Cat's eye or Yellow-Sapphire are inauspicious gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.

রাহু

**(25/03/2084 - 27/03/2102)**

In the Dasha of õp±U it would be excellent to wear Emerald, Diamond or Gomed. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Blue-Sapphire or Ruby are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given



should be selected as per its signification.

Pearl, Yellow-Sapphire, Cat's eye or Coral are forbidden gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.

বৃহস্পতি

(27/03/2102 - 27/03/2118)

In the Dasha of ẽŒŸ|óŹî it would be excellent to wear Emerald or Ruby. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Gomed, Diamond, Blue-Sapphire or Pearl are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Coral, Yellow-Sapphire or Cat's eye are inauspicious gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.

শনি

(27/03/2118 - 27/03/2137)

In the Dasha of úŹò it would be excellent to wear Emerald, Diamond or Gomed. You must wear the above-mentioned gems for obtaining the complete results of Dasha.

Blue-Sapphire or Ruby are auspicious gems. For obtaining best results in this Dasha the best gem out of the given should be selected as per its signification.

Pearl, Yellow-Sapphire, Cat's eye or Coral are forbidden gems for you. It is better not to use inauspicious and forbidden gems as they cause lot of losses without giving any gain.



## शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न - टरक्वाइज

आपका जन्म वृष राशि के लग्न में हुआ है। जिसका स्वामी ग्रह शुक्र होता है। टरक्वाइज रत्न शनि ग्रह के लिये धारण किया जाता है और शनि वृष राशि के लग्न के जातकों के लिये भाग्य रत्न होता है। क्योंकि शनि की मकर राशि वृष लग्न से नवम भाव में स्थित होती है। किसी भी जातक के लिये भाग्य का प्रबल होना सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि किसी भी किये गये प्रयास या कार्य के परिणाम में भाग्य उत्प्रेरक का कार्य करता है, यह ठीक उसी प्रकार कार्य करता है जैसे किसी रासायनिक क्रिया में उत्प्रेरक का कार्य होता है।

अतः वृष राशि के लग्न वाले जातकों को टरक्वाइज रत्न धारण करके शनि को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को सभी लाभ मिलेंगे अर्थात् जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है तथा जातक के भाग्य को चमकाता है। वैसे भी शनि सेवक का प्रतिनिधि ग्रह है अर्थात् यदि जातक सरकारी या प्राइवेट नौकरी में है तो नौकरी में प्रमोशन व आय वृद्धि के साथ-साथ अधिकार भी प्रदान करता है। साथ ही अन्य कर्मचारीगणों का सहयोग भी प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को सेवकों का सहयोग तथा अधीनस्थ कर्मचारियों की शुभकामनाएँ भी प्राप्त होती हैं। जिसको जोड़ों के रोग हों या लाइलाज रोगी हों तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा लाइलाज रोगों से मुक्ति दिलाता है।

टरक्वाइज को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि मध्यमा अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में शनि की अंगुली मानी जाती है। टरक्वाइज शनि ग्रह का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात् शनिवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय सायंकाल शनि की होरा में धारण करना श्रेष्ठ होता है। शनिवार के दिन सूर्यास्त के समय शनि की होरा में धारण करना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। टरक्वाइज को यदि शनिवार के साथ-साथ शनि के नक्षत्र अर्थात् पुष्य, अनुराधा और उ.भाद्रपद में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

टरक्वाइज को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पट्टे पर नीले या काले रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, शनि के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करना चाहिए।

शनि का मंत्र - ॐ शं शनैश्चराय नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि शनि से संबंधित पदार्थ जैसे सरसों का तेल, काला उड़द सवा मीटर काला कपड़े का दान करें तो टरक्वाइज की अंगूठी धारण करना और भी



अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन शनि का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें। शनि मंदिर में शनिदेव की मूर्ति पर सरसों का तेल का अभिषेक करायें तो यह टरक्वाइज की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक शनिवार को शनि चालीसा का पाठ भी इसमें अधिक शुभकारी साबित होता है।

वृष लग्न वाले जातक यदि टरक्वाइज की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन भाग्यशाली व्यक्ति के रूप में सुखी, समृद्धिशाली एवं शांतिपूर्ण जीवन प्राप्त करते हैं।

Phone: +91-341-2668022  
Mobile : +91 -9732150484  
Whatsapp : +91 -9732150484



**RATNA JYOTI**®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>  
E-Mail: [astrology@ratnajyoti.com](mailto:astrology@ratnajyoti.com)

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

## রত্নাঙ্ক

রত্নাঙ্ককে শিবের চক্ষু বলা হয়ে থাকে। রত্নাঙ্ক দুই শব্দের মিলনে তৈরি, প্রথম রত্ন এর অর্থ ভগবান শিব এবং দ্বিতীয় অঙ্কের অর্থ অশু। বিশ্বাস অনুযায়ী রত্নাঙ্ক ভগবান শিবের অশু থেকে উৎপন্ন হয়েছে। রত্নাঙ্ক ভগবান শিবের নেত্র থেকে প্রবাহিত মুক্তা স্বরূপ অশুবিন্দু। যা গ্রহণ দ্বারা সমস্ত প্রকৃতির মধ্যে অলৌকিক শক্তি প্রবাহিত হয় এবং মানব হৃদয়ে পৌঁছে হৃদয়কে জাগৃত করার সহায়ক হয়।

রত্নাঙ্ক ভারতীয় জ্যোতিষ শাস্ত্রে অত্যন্ত উপযোগীতা প্রাপ্ত করেছে। গ্রহের দুঃপ্রভাব নষ্ট করতে রত্নাঙ্কের বিশেষ রূপে ব্যবহার করা হয়, যা অত্যন্ত প্রভাবশালী এবং সঠিক উপায়। জটিল ও কঠিন রোগ নিরাময়ে যদি জন্মপত্রিকা অনুযায়ী রত্নাঙ্কের ব্যবহার করা হয়, তাহলে আশ্চর্যজনক পরিণাম দেখা যায়। রত্নাঙ্কের শক্তি এবং সামর্থ্য এর মুখের উপর নির্ভর করে। রত্নাঙ্ক সিদ্ধিদায়ক, পাপনাশক, পুণ্যবর্ধক, রোগনাশক এবং মোক্ষ প্রদায়ক হিসাবে বর্ণিত ও সর্বমান্য।

এক মুখী থেকে চোদ্দ মুখী অবধি রত্নাঙ্ক বিশেষ রূপে পাওয়া যায় ও ব্যবহৃত হয়, রত্নাঙ্কের অলৌকিক শক্তি ও ক্ষমতা আলাদা-আলাদা মুখের উপর নির্ভরশীল। রত্নাঙ্ক ধারণে যেমন আপনি গ্রহ দোষ থেকে লাভ প্রাপ্ত করতে পারেন, তেমনি আপনার শারীরিক রূপ ও সুস্বাস্থ্য লাভেরও সহায়ক। রত্নাঙ্কের স্পর্শ, দর্শন, ধারণ, পূজন, জপ করা এবং মালা ধারণ করলে সমস্ত পাপ নাশ ও বাধা বিঘ্ন দূর হয়। রত্নাঙ্ক মহাদেবের বরদান স্বরূপ, কিন্তু ধারণের উপযুক্ত নিয়ম এবং মন ও ভাবনা শুদ্ধ হওয়া অত্যন্ত প্রয়োজন।

রত্নাঙ্কের দানার উপর কাটা দাগ অনুযায়ী রত্নাঙ্কের মুখের নির্ধারন হয়ে থাকে। রত্নাঙ্কের মধ্যে এক প্রান্ত থেকে অন্য প্রান্ত অবধি একটি রেখা দেখা যায়, যাকে মুখ বলা হয়। রত্নাঙ্কের এই রেখা বা মুখ সাধারণতঃ এক থেকে ১৪ মুখী অবধি হয়ে থাকে কিন্তু কখনও-কখনও ১৫ থেকে ২১ মুখী পর্যন্ত রত্নাঙ্ক দেখা যায়। অর্ধেক বা ভগ্ন লাইন বা দাগকে মুখ মানা হয় না, যতগুলি লাইন পুরো স্পষ্ট ভাবে দেখা যায় মুখ ততোগুলোই মানা হয়।

পুরাণে প্রত্যেক রত্নাঙ্কের আলাদা-আলাদা মহত্ব এবং উপযোগিতার উল্লেখ করা হয়েছে -

এক মুখী - সূর্য গ্রহ-স্বাস্থ্য, সফলতা, মান-সম্মান, আত্ম-বিশ্বাস, অধ্যাত্ম, প্রসন্নতা, অনায়াস ধনপ্রাপ্তি, রোগমুক্তি ও ব্যক্তিত্বের বিকাশ এবং শত্রুদের উপর বিজয় প্রাপ্তি করায়।

দু মুখী - চন্দ্র গ্রহ-বৈবাহিক সুখ, মানসিক শান্তি, সৌভাগ্য বৃদ্ধি, একাগ্রতা, আধ্যাত্মিক উন্নতি, পারিবারিক সৌহার্দ, ব্যবসায় সফলতার জন্য সর্বাধিক উপযুক্ত মানা হয়।

তিন মুখী - মঙ্গল গ্রহ-শত্রু দমন ও রক্ত সম্বন্ধীয় বিকার দূর করতে সহায়ক হয়।

চার মুখী - বুধ গ্রহ- শিক্ষা, জ্ঞান, বুদ্ধি, বিবেক ও কামশক্তি বৃদ্ধি করায়।

পাচ মুখী - গুরু গ্রহ- শারীরিক আরোগ্য, আধ্যাত্মিক উন্নতি, মানসিক শান্তি এবং প্রসন্নতা প্রাপ্তির জন্য ব্যবহার করা হয়।

ছয় মুখী - শুক্র গ্রহ - প্রেম সম্বন্ধ, আকর্ষণ, স্মরণ শক্তি বৃদ্ধি, তীব্র বুদ্ধি, কার্যে পূর্ণতা ও ব্যবসায় আশ্চর্যজনক সফলতা প্রাপ্ত করায়।



সাত মুখী - শনি গ্রহ- শনি দোষ নিবারণ, ধন-সম্পত্তি, কীর্তি, বিজয় প্রাপ্তি, কর্ম ও ব্যবসা ইত্যাদিতে সাফল্য বৃদ্ধি করায়।

আট মুখী - রাহু গ্রহ- রাহু গ্রহ সম্বন্ধিত দোষের শান্তি, জ্ঞানপ্রাপ্তি, চিত্তের একাগ্রতা বৃদ্ধি, মামলা-মোকদ্দমায় বিজয়প্রাপ্তি, দুর্ঘটনা ও প্রচণ্ড শত্রুদের থেকে রক্ষা, ব্যবসায় সফলতা ও উন্নতিকারক।

নয় মুখী - কেতু গ্রহ- কেতু গ্রহ সম্বন্ধিত দোষের শান্তি, সুখ-শান্তি, ব্যবসায় বৃদ্ধি, ধারণকারীর অকালমৃত্যু হয় না এবং আকস্মিক দুর্ঘটনার ভয় থাকে না।

১০ মুখী - ভগবান মহাবীর- কার্য ক্ষেত্রে প্রগতি, স্থিরতা বৃদ্ধি, সম্মান, কীর্তি, বিভূতি, ধন প্রাপ্তি, লৌকিক-পারলৌকিক কামনা পূর্ণ হয়।

১১ মুখী - ইন্দ্র গ্রহ- আর্থিক লাভ, সমৃদ্ধিশালী জীবন, কোনো বিষয়ের অভাব না হওয়া এবং সমস্ত সংকট ও কষ্ট দূর হয়ে যায়।

১২ মুখী - ভগবান বিষণ্ণ গ্রহ- বিদেশ যাত্রা, নেতৃত্ব শক্তি প্রাপ্তি, শক্তিশালী, ও তেজস্বীতা প্রদান করে। ব্রহ্মচার্য রক্ষা, চেহারা তেজ ও ওজস্বীতা প্রদায়ক। শারীরিক এবং মানসিক কষ্ট দূর করে।

১৩ মুখী - ইন্দ্র গ্রহ- সর্বজন আকর্ষণ ও মনঃস্ফূর্তি প্রাপ্তি, যশ-কীর্তি, মান-প্রতিষ্ঠা এবং কামদেবের প্রতীক। প্রেত বাধা ও নজর দোষ থেকে রক্ষার জন্য বিশেষ উপযোগী।

১৪ মুখী - শনি গ্রহ- আধ্যাত্মিক উন্নতি, শক্তি, ধন প্রাপ্তি এবং কষ্টনিবারক। শনির সাদ্রে সাতী বা চৈয়ার সময়ে বিশেষ কষ্টনিবারক হিসাবে উপযুক্ত।

### আপকী কুন্ডলী ঔর রাদ্ধাঙ্ক

আপনার কুন্ডলী অনুযায়ী আপনার বৃষ লগ্ন। বৃষ লগ্ন আপনাকে আকর্ষক ব্যক্তিত্বের অধিকারী করে। স্থির লগ্ন হওয়ার ফলে আপনার স্বভাব অত্যন্ত সুস্থির। আপনি যে কাজ করেন তা পূর্ণ করে ছাড়েন। রাশি চিত্র বৃষ অর্থাৎ বলদ হওয়ার কারণে আপনি অত্যন্ত পরিশ্রমী এবং অনবরত কর্মব্যস্ত থাকা আপনার স্বভাব। ভালবাসার দ্বারা আপনাকে যে কোনো কাজ করানো সম্ভব, কিন্তু জবরদস্তি করলে আপনি বলদের মতো অনড় ও গোয়ার হয়ে যান, সেই অবস্থায় আপনাকে দিয়ে কোনো কিছু করানো মুস্কিল হয়ে যায়। পৃথী তত্ত্ব রাশি হওয়ায় সহনশীলতার ভাব আপনার মধ্যে ভরপুর। যতক্ষণ আপনার সহনশক্তি থাকে, আপনি কাজ করতে থাকেন। পরিকল্পনা অনুযায়ী কার্য সম্পাদন আপনি পছন্দ করেন। সমস্ত জিনিষ ঠিক জায়গায় রাখা এবং দায়িত্ব অনুসারে প্রত্যেক কার্য পূর্ণ করা, এ ছাড়া প্রত্যেক সুন্দর বস্তুর প্রতি আপনি অনায়াসে আকর্ষিত হয়ে পড়েন।

ত্রিক ভাবাধিপতি নিজের আধিপত্য অনুসারে স্বয়ং অশুভত্ব ফল প্রদায়ক হয়। ৬, ৮, ১২ ভাব ত্রিক ভাব নামাংকিত। এই ভাবের অধিপতি ও এইভাবে স্থিত গ্রহের মধ্যে অশুভত্বের অংশ পাওয়া যায়। যার ফলস্বরূপ জীবনে সময়ে সময়ে আপনাকে বাধার সম্মুখীন হতে হয়।

বৃষ লগ্নের ষষ্ঠ ভাব বা লগ্ন ভাবের অধিপতি শুরু ষষ্ঠেশ হওয়ায় আপনার স্বাস্থ্য ও ঋণের পক্ষে শুভ নয়। শুরু আপনার জীবনে প্রগতির পথে বাধা-প্রদায়ক গ্রহ। সর্বদা ও যথাশক্তি প্রচেষ্টার পরে আপনি নিজের পথের বাধা দূর করতে সফল হবেন।



অষ্টম এবং একাদশ ভাবাধিপতি গুরু গৃহ। এই ভাব অর্থাৎ ধনু রাশি, বৃহস্পতির স্ব-স্থান ও মূল ত্রিকোণ রাশি। বৃহস্পতির রাশি বাধক ও গুপ্ত বিষয় সম্বন্ধিত ভাবের হওয়ায় আপনার নিয়মিত আয়, আর্থিক ও প্রবন্ধকীয় বিষয়ে ক্ষুদ্র লাভ, ধোকা ও অপ্রত্যাশিত ক্ষতির কারণ হতে পারে। জীবনে ঘটনার শুভত্বের দৃষ্টিতে গুরুর ধনু রাশি, এই ভাবের জন্য, আপনার পক্ষে শুভ ফল প্রদান করছে না।

দ্বাদশ বা সপ্তম ভাবাধিপতি মঙ্গল। বৃষ লগ্নের জন্য মঙ্গল বিশেষ অশুভ গৃহ। আপনার লগ্ন অনুযায়ী মঙ্গলের এক রাশি সপ্তম ভাব এবং অন্য রাশি দ্বাদশ ভাব হয়। দ্বাদশ ভাবে মঙ্গলের রাশি হওয়ায় মঙ্গলের কারক তত্ত্বের দুর্বলতা সৃষ্টি করেছে। সপ্তমেশ মঙ্গল দুর্ঘটনা, শল্যচিকিৎসা, লড়াই-ঝগড়ার যোগ সৃষ্টি করে এবং আপনার মানসিক ও শারীরিক শক্তির হানি ঘটায়।

শনি অষ্টম ভাবে হওয়ায় আপনি দীর্ঘ কালাবধি রুগ্ন হতে পারেন, এই যোগ মানসিক সুখের হানি করে। ধনাভাব, ব্যবসায় হানি, পৈত্রিক সম্পত্তি প্রাপ্তিতে বাধা, সন্তানের কষ্ট ইত্যাদি হতে পারে।

অষ্টম ভাবে কেতু অশুভ ফলদায়ক হয়। আপনার নিজের বুদ্ধি অসৎ কার্যে লাগানো ক্ষতিকারক। আপনার উদ্যম বাধা প্রাপ্ত হতে পারে। এর সাথে এই যোগ আপনার পরিশ্রমের উচিত প্রতিফল দেবে না। জীবন সাথীর সঙ্গে শত্রুতার ভাব উৎপন্ন হতে পারে। আত্মীয়-স্বজনদের সঙ্গে সম্বন্ধ ঠিক রাখতে আপনাকে বিশেষ প্রযত্ন করতে হবে।

এই সমস্ত ফলের শুভত্ব প্রাপ্ত করতে আপনার ৩, ৫, ৬, ৭, ৯ মুখী রত্নাক্ষের কবচ ধারণ করা উচিত। এই কবচ সাদা সুতোয় সোমবার দিন গঙ্গাজলে শুদ্ধ করে ওম নমঃ শিবায় মন্ত্র ১০৮ বার জপ করে ধারণ করা উচিত। তার পরে ভগবান শিবের উপর কাচা দূধ ঢালুন। ক্ষমতানুসারে দান করুন। এই প্রকারে আপনার জীবনে আসা কষ্ট থেকে মুক্ত হতে পারবেন এবং বিশেষ কষ্টের ক্ষেত্রেও প্রয়োজনীয় ফল লাভ করবেন। কুন্ডলীর সমস্ত গ্রহের শুভত্ব প্রাপ্ত করতে আপনার শিব কৃপা রত্নাক্ষ মালা যা এক থেকে চোদ্দ মুখী রত্নাক্ষ দ্বারা নির্মিত হয়, ধারণ করতে পারেন। এক থেকে চোদ্দ মুখী রত্নাক্ষ মালা অদ্ভুত এবং চমৎকারী ফল প্রদান করে।

উপরোক্ত কবচ দশা, গোচর বিচার ব্যতীত আপনি জীবনভর ধারণ করতে পারেন। কারণ, এই কবচ জন্ম লগ্ন এবং সেখানে স্থিত গ্রহের ক্ষতিকারক প্রভাব নিয়ন্ত্রিত করতে অত্যন্ত আবশ্যিক।





## সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে ঠেয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং ঠেয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শাস্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

### প্রথম চক্র

সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	26/03/2019-24/01/2020	-----	-----
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	31/05/2032-13/07/2034	-----	-----
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	-----

### দ্বিতীয় চক্র

সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	08/12/2046-06/03/2049	10/07/2049-04/12/2049	-----
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	25/02/2052-14/05/2054	02/09/2054-05/02/2055	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076

### তৃতীয় চক্র

সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	16/01/2076-11/07/2076	11/10/2076-15/01/2079	-----
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	12/04/2081-03/08/2081	07/01/2082-20/03/2084	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	19/09/2090-25/10/2090	21/05/2091-02/07/2093	-----
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	26/12/2099-17/03/2100	16/09/2100-03/12/2102	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	03/12/2102-29/11/2105	-----	-----

### শনির ঠেয়া ফল

ঠেয়ার প্রকার	ফল	ক্ষেত্র
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	অশুভ	দুর্ঘটনা এড়ানো
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	শুভ	ব্যবসায়িক উন্নতি
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	সম	ধন
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	শুভ	শত্রু এবং রোগ মুক্তি
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	সম	দাম্পত্য কলহ



## সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতীর প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখযোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

**ॐ প্রাং প্রং প্রৌং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।**

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতীর শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

**ॐ ত্রযংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।**

**উবার্গকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মক্ষীয় মা মৃতাত।।**

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

**ॐ হোং জুং স ॐ ভূর্ভুব স্ব ॐ।।**

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটা ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটা ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্ল পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ-্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

**ॐ শং শনৈশ্চরায় নম ।**

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।



## মঙ্গলিক বিচার

জব বর যা কন্যা কী কুণ্ডলী মেং মঙ্গল লগ্ন, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম তথা গাদশ ভাব মেং হো তো মঙ্গলিক দোষ कहलता है। यथोक्तम्

लग्नै व्यये च पातले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
स्त्री भर्तृविनाशश्च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

यदि जातक जातिकार कुष्ठिते मङ्गल ग्रह चतुर्थ घर, सप्तम घर, अष्टम घर वा द्वादश घरे स्थित হয় তবে এটাকে মঙ্গলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুষ্ঠিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মঙ্গলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

\*\*\*\*\*

যদি আপনার কৌষ্ঠিতে মঙ্গল প্রবল হয় তবে। আপনি একজন মঙ্গলিক। তার ফলস্বরূপ আপনি অবশ্যই খিটখিটে মেজাজের হবেন এবং ত্যধিক উত্তেজনার জন্য অসুখে কষ্ট পাবেন। আপনি অবশ্যই প্রভাবশালী বা সম্মানীয় পুরুষ বা মহিলা হবেন। আপনাকে অত্যধিক কঠিনতার মধ্যে দিয়ে আপনার গুরুত্বপূর্ণ কাজ করতে পারবেন। মঙ্গলের প্রভাবে আপনার বিবাহে দেরী হোতে পারে এবং স্থির করার পরেও বিবাহ সম্বন্ধ ভেঙ্গে যেতে পারে। আপনার স্ত্রী সুস্বাস্থ্যের অধিকারিনী হবেন এবং আপনি সুখী দাম্পত্য জীবন যাপন করবেন। আপনার কুষ্ঠিতে মঙ্গল প্রথম অথবা চতুর্থ ঘরের দিকে যাওয়ার সময় আপনাকে কঠোর পরিশ্রম করতে হতে পারে জীবনে স্বাচ্ছন্দ্য আনার জন্য। আপনার গাড়ী ও বাড়ী হবে। মঙ্গল অষ্টম ঘরে অবস্থান করার জন্য আপনাকে কিছু গুরুত্বপূর্ণ কাজে বাধার সম্মুখীন হোতে হবে। কিন্তু অবশেষে আপনার বিজয় প্রাপ্তি হবে। মঙ্গলের কুপ্রভাব নষ্ট করার জন্য এবং ভাল ফলের জন্য আপনি অবশ্যই একজন মঙ্গলিক মহিলাকে বিবাহ করবেন। যার মানে আপনার মঙ্গলিক দোষ পূর্ণভাবে মুক্ত হয়েছে। এর জন্য স্ত্রীর কুষ্ঠিতে প্রথম, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম ও দ্বাদশ স্থানে মঙ্গল, শনি, রাহু অথবা অন্য পাপ গ্রহের অবস্থান হওয়া উচিত। আপনি অবশ্যই মঙ্গলিক দোষমুক্তির পরেই বিবাহ করবেন।

তাহোলে আপনি ভালো স্বাস্থ্য ও মানসিক শান্তির অধিকারী হবেন এবং আপনার জীবনে সম্পদ এবং বিলাসিতার জোয়ার আসবে। আপনি অবশ্যই নিজের বাড়ী ও গাড়ীর অধিকারী হবেন।



## কালসর্প যোগ

অগ্নে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গ্রহা।  
যোগা যং কালসর্পাখ্যো শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গ্রহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গ্রহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-  
১. অক্ষত ২. কুল্লিকটব ৩. রাশুক্ষিচূড় ৪. শঙ্খপাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম  
ঘাতক ১১. বিষধর ১২. শেষনাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গ্রহ গুপিত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধে যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গ্রহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গ্রহে কিছু গ্রহ রাহু-কেতুর অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমুহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়। কালসর্প যোগের বিধিবাং উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব।

### জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে কালসর্পযোগ না থাকায় এটির জন্য শান্তি ইত্যাদির আবশ্যিকতা নেই এবং আপনি সম্পূর্ণ সুখী জীবনযাপন করবেন।



# पितृदोष विचार

## पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

## पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।



7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना ।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना ।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना ।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना ।
11. शिक्षा में बाधाएं आना ।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना ।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना ।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना ।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना ।

### पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे ।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें ।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए । मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा । आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए ।

### पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें ।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।





आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

**नोट :**

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह स्रयंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।





## গৃহ ফল

### রবি

রবি মীন রাশির একাদশ স্থানে অবস্থান হেতু আপনি সরকার এবং সরকারী চাকুরীর মাধ্যমে আর্থিক দিক থেকে লাভবান হতে পারেন। আপনি সামাজিক মর্যাদা লাভ করবেন এবং কোন ব্যাঙ্ক বা বৃহৎ সংস্থার কর্মচারী রূপে বিশেষ সাফল্য লাভ করতে সক্ষম হবেন।

আপনি সামাজিক, শিক্ষিত ও বুদ্ধিমান বন্ধুদের সঙ্গে সময় কাটাতে ভালো বাসেন। আপনার জীবন সুখময় হবে এবং বৃদ্ধবয়সে আপনার বহু আশা ও আকাঙ্ক্ষা পূর্ণ হয়ে যাবে।

আপনার জন্মের সময় সূর্য একাদশস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতা শারীরিক দুর্বলতা অনুভব করবেন এবং অসুখে আক্রান্ত হবেন। আপনার পিতা আপনাকে সর্বক্ষেত্রে সাহায্য ও সমর্থন করবেন।

আপনি পিতাকে সম্মান ও ভক্তি করবেন। আপনাদের মধ্যে সুসম্পর্ক বজায় থাকবে। কিন্তু কোন সময়ে আপনাদের মধ্যে কোন ব্যাপারে মতপার্থক্য দেখা দিলেও তা ক্ষণস্থায়ী হবে। আপনারা উভয়ে উভয়ের প্রতি যত্নবান হবেন।

### চন্দ্র

চন্দ্র বৃশ্চিক রাশির সপ্তম স্থানে অবস্থান হেতু এই অবস্থান আপনার পক্ষে মোটেই শুভ নয়। ফলে আপনার বিবাহ সুখকর না হওয়ার সম্ভাবনা আছে এবং প্রায়শই আপনার জীবনসঙ্গীর সংগে মতবিরোধ দেখা দিতে পারে। পরবর্তীকালে তা এমন গুরুতর আকার ধারণ করবে যে গৃহ পরিবেশ যুদ্ধক্ষেত্রে পরিণত হবে। আপনি বিপরীত লিংগের প্রতি আকর্ষিত হবেন এবং তার ফলে গৃহ পরিবেশে শান্তি বিদ্বিত হবে ও আর্থিক ক্ষতি হতে পারে।

ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে অংশিদারের আগমনের ফলে তা ক্ষতিগ্রস্ত হবে কারণ অংশিদার আপনার সংগে সুব্যবহার করবেন না। ব্যবসায় কোন লাভের সম্ভাবনা নেই। সুতরাং আপনাকেই ব্যবসার দখল নিয়ে সমস্যা সমাধানের চেষ্টা করতে হবে।

আপনার জন্মের সময় সূর্য সপ্তমস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতার স্বাস্থ্য ভাল যাবে। তিনি দীর্ঘায়ু হবেন এবং সুষ্ঠুজীবন যাপন করবেন। তিনি আপনার প্রতি স্নেহশীল হবেন এবং আপনার অধিকাংশ উদ্যোগকে সাফল্য মন্ডিত করতে আন্তরিকভাবে সচেষ্ট হবেন।

আপনি আপনার পিতার মনোনীত পাত্রীকে বিবাহ করবেন এবং আপনার পিতা আপনার প্রতি সম্পূর্ণ আস্থাশীল হবেন।

আপনি আপনার পিতার বাধ্য সন্তান হবেন। মাঝে মাঝে আপনাদের মধ্যে বিরোধ দেখা দেবে কিন্তু আপনারা একে অপরের সঙ্গে মানিয়ে নিয়ে সুখী জীবনযাপন করবেন।



## মঙ্গল

মঙ্গলের অবস্থান বৃষ রাশিতে শত্রু ভাবাপন্ন হওয়ায় আপনাকে উপদেশ দেওয়া হচ্ছে যে স্বাস্থ্য সম্বন্ধে আপনি সচেতন হোন। আপনার মাথায়, মুখে বা শরীরের অন্য কোনো অংশে আঘাতের ফলে ক্ষতচিহ্ন বা কোনো দাগ থাকার যথেষ্ট সম্ভাবনা আছে। দ্রুতগতিতে আসা যাওয়ার অভ্যাসটা পরিত্যাগ করুন, অন্যথায় দুর্ঘটনার আশঙ্কা উড়িয়ে দেওয়া যাচ্ছে না। উচ্চ-রক্তচাপ ও হার্টের অসুখ আপনার হতে পারে, তাই স্বাস্থ্য সম্বন্ধে বিশেষ সচেতন হওয়া প্রয়োজন। আপনার জীবনসংগীও শারীরিক দিক দিয়ে অসুস্থ হবেন।

আপনার মদ্যপান এবং কামনা চরিতার্থ করার প্রবনতা আছে, যার ফলে আপনার জীবনসংগী আপনার বিরুদ্ধে যেতে পারেন। যদি সবক্ষেত্রেই আপনি সাবধানতার সাথে এগিয়ে না যান, এমনকি পারিবারিক ক্ষেত্রেও, তাহলে আপনার জন্যে কঠিন সময় অপেক্ষা করে আছে। আপনার জন্মকুন্ডলী থেকে দেখা যাচ্ছে যে আপনি শত্রুদের সাথে সংঘর্ষেও জড়িয়ে পড়তে পারেন।

শিশুটির জন্ম সময়ে প্রথম ঘরে মঙ্গলের অবস্থান ছিল, যা ইংগিত করে যে তার ভাই ও বোনদের স্বাস্থ্য ঠিকঠাক থাকবে। কিন্তু তারা মাঝে মধ্যে দৈহিকভাবে দুর্বল ও অসুস্থ অনুভব করবে।

সে তার ভাই বোনদের ভালোবাসবে কিন্তু তাদের মধ্যে মাঝে মধ্যে বিবাদ হবে। খুব শীঘ্র তাদের সবকিছু স্বাভাবিক হয়ে যাবে।

## বুধ

বুধ কুন্ড রাশির দশম স্থানে অবস্থিত হওয়ার ফলে আপনি ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে আশাতীত সাফল্য লাভ করবেন। কিন্তু কোন সম্পত্তিতে অর্থ বিনিয়োগের ব্যাপারে অত্যন্ত সচেতন হবেন কারণ এক্ষেত্রে প্রবল ক্ষতির সম্ভাবনা আছে। আপনি ব্যবসায়িক লাভ এবং সুখ স্বাচ্ছন্দ্যের জন্য শব্দরকুলের সাহায্য আশা করবেন। এমনকি পিতার সংগে আপনার মতের কিছু কিছু ক্ষেত্রে অমিল ঘটলেও তিনি সম্পূর্ণ রূপে আপনাকে সমর্থন করবেন।

## বৃহস্পতি

বৃহস্পতি বৃশ্চিক রাশির সপ্তম স্থানে অবস্থান হেতু আপনার উচ্চ পরিবারের সংগে বিবাহের সম্ভাবনা আছে। কিন্তু সমস্ত কিছুর অধিকারী হওয়া সত্ত্বেও কোন আর্থিক সঞ্চয় আপনার পক্ষে সম্ভব নয় এবং কোন রকম পারিবারিক শান্তিও আপনি পাবেন না। আপনার ঋণ হওয়ার সম্ভাবনা আছে।

পরবর্তীকালে আপনার আকস্মিকভাবে অর্থ প্রাপ্তি হবে এবং কোন বন্ধুর সংগে ব্যবসায় যুক্ত হয়ে লাভবান হবেন। আপনার জনপ্রিয়তা বৃদ্ধি পাবে।

## শুক্র

শুক্র কুন্ড রাশির দশম স্থানে অবস্থান হেতু আপনি সার্বিক উন্নতি লাভ করবেন এবং জীবিকার ক্ষেত্রেও সাফল্য লাভে সমর্থ হবেন। আপনি সরকারী উচ্চপদ লাভে সমর্থ হবেন। বাল্যকাল থেকে আপনার সঙ্গীত, সাহিত্য, নাটক ইত্যাদির প্রতি আগ্রহ জন্মাবে। আপনি আপনার পিতার সহায়তায় সাফল্যের চরম



শিখরে পৌছতে সমর্থ হবেন।

## শনি

বৃষ লগ্নের উপস্থিতির জন্য আপনি গুপ্ত বিষয়ে আগ্রহী হবেন কিন্তু শনির উপস্থিতি এই বিষয়ে আপনার আগ্রহ ক্ষীণ করে দেবে। ফলে আপনি গুপ্ত বিষয়ে অনাগ্রহী হয়ে পড়বেন এমনকি এই ধরনের আলোচনায় কোন রকম অংশগ্রহণ করবেন না।

আপনি প্রচুর সম্পত্তির অধিকারী হবেন কিন্তু তা অন্যের কাছে হস্তান্তরিত করে দেবেন।

আপনি বীমা করেন আগ্রহী হতে পারেন। আপনার গাড়ী এবং দ্রব্য সামগ্রীর বীমা করানো উচিত কারণ আপনার জীবন পত্রিকা অনুসারে ডাকাতির মাধ্যমে দ্রব্য সামগ্রী হস্তচ্যুত হওয়ার সম্ভাবনা আছে।

আপনি দীর্ঘায়ু হবেন কিন্তু বৃদ্ধ বয়সে প্যারালাইসিস্ এ আক্রান্ত হতে পারেন।

## রাহু

মিথুন লগ্নে রাহু দ্বিতীয় স্থানে অবস্থানের দরুন অর্থ অপচয়ের সম্ভাবনা আছে ফলে অর্থ সঙ্কটের মধ্যে পড়বেন। আপনি অর্থ রোজগারের সহজ উপায় খুঁজে পেলেও অর্থ সঞ্চয় করতে হলে অধিক পরিশ্রম করতে হবে। আপনি নিজের অধিকার সনপর্কে সচেতন হবেন।

## কেতু

বৃষ লগ্নের জন্য আপনি গুপ্ত বিষয়ে আগ্রহী হবেন কিন্তু কেতুর উপস্থিতি এই বিষয়ে আপনাকে অনাগ্রহী করে তুলবে।

বৃষ লগ্নের দরুন আপনার সম্পত্তি প্রাপ্ত হওয়ার সম্ভাবনা আছে কিন্তু কেতু এই সম্ভাবনাকে একদম ব্যর্থ করে দেবে। ফলে আপনি কোন সম্পত্তি হস্তগত করতে পারবেন না এবং নিজের ও কোন সম্পত্তি থাকবে না।

বৃষলগ্ন ইংগিত করে যে আপনি পণ স্বরূপ প্রচুর দ্রব্যসামগ্রী পাবেন কিন্তু কেতুর অবস্থান হেতু সম্পূর্ণ বিপরীত ফল লাভ করবেন। সুতরাং পণ স্বরূপ আপনি কোন দ্রব্য সামগ্রী পাবেন না। ফলে আপনার জীবনে দায়িত্ব অনেক বেড়ে যাবে।

আপনার আয়ু স্বাভাবিক হবে তবে রাস্তায় দুর্ঘটনা ঘটানোর প্রবল সম্ভাবনা।



## দৈহিক, ব্যক্তিত্ব এবং স্বভাব

বৃষ রাশির উদয়ের সময় জন্ম হওয়ায় দেখা যায় যে আপনি ছোট বা মধ্যম শরীরাকৃতির ও সুস্বাস্থ্যের অধিকারী হবেন এবং ভবিষ্যতে বেশ মোটাসোটা হয়ে যাবার সম্ভাবনা থাকছে। আপনার চেহারার সৌন্দর্য্য অধিকারী হবেন। আপনার সুস্পষ্ট কপালের নিচে উজ্জ্বল চোখ অন্যকে বিশেষ প্রভাবিত করে। মোটাগলা, মাথায় কালো চুল আপনাকে এক পরিপূর্ণ ব্যক্তিত্বের অধিকারী করে তোলে। ঠোঁটে সব সময় মোহিত করা হাসি নিয়ে আপনার সর্বমোট ছবিটা একটা নির্ভরশীল ব্যক্তিত্বের ছাপ এনে দেয় যে জীবনে দীর্ঘ বলিষ্ঠ পদক্ষেপে এগিয়ে যায় পৃথিবীর কোনো কিছুতে কোনো রকম উদ্বেগ না দেখিয়ে।

মোটের ওপর বৃষ রাশির জাতক ও জাতিকাগণ শক্তসমর্থ্য স্বাস্থ্যের অধিকারী, কিন্তু তাদের গলার সমস্যার বিষয়ে সতর্ক হওয়া উচিত এবং এই ক্ষেত্রে তাদের নিরবিচ্ছিন্নভাবে সাবধান হওয়া প্রয়োজন। অন্যথায় গলার সংক্রমন রোগের শিকার হতে পারেন বা ডিপথোরিয়া বা টনসিলের দ্বারাও আক্রান্ত হতে পারেন অথবা তাদের ক্ষেত্রে দাঁতের ব্যথা, ব্রণ ইত্যাদিও হতে পারে। তাদের বৃদ্ধ বয়সে বিভিন্ন রোগ যেমন সন্ধ্যাস রোগ, রক্তাধিক্য এবং কোষ্ঠকাঠিন্য ইত্যাদির দ্বারা আক্রান্ত হবার সম্ভাবনা আছে।

যেহেতু বৃষ রাশির জাতক ও জাতিকাগণের স্বাস্থ্য পুনরুদ্ধারের ক্ষমতা খুবই সীমিত, তাই তাদের অসুস্থ হবার সাথে সাথেই অবহেলা না করে ডাক্তারের কাছে গিয়ে প্রয়োজনীয় চিকিৎসা করিয়ে নেওয়া উচিত। সুস্থ হতে সময় লাগলে হতাশ হয়ে পড়া উচিত নয়।

চারিত্রিক দিক দিয়ে আপনি একজন শান্ত, সৎ, যে বিপরীত লিঙ্গের সাথে মিলেমিশে একটা সুন্দর আনন্দময় জীবন কাটাতে চায়। কিন্তু বিবাহ পরবর্তী জীবনে আপনি অত্যন্ত ঘরোয়া প্রকৃতির হবেন যিনি পারিবারিকভাবে সুখী হতে খুব আশান্বিত হবেন। ধীরে কিন্তু সাবধানে আপনি আপনার পেশায় ধৈর্য্য ও অধ্যবসায়ের দ্বারা কোনো বিতর্কে না জড়িয়ে এগিয়ে যেতে চান। কিন্তু বিরোধিতার সম্মুখীন হলে আপনি কঠোর হয়ে পড়েন বোঝাপড়ার রাস্তায় যান না। সাধারণত আপনি আপনার মেজাজ হারিয়ে ফেলেন না, কিন্তু যখন মেজাজ হারিয়ে ফেলেন তখন আপনার শত্রু বা বিরুদ্ধাচরণ করা ব্যক্তিকে শিক্ষা না দিয়ে থামেন না। বৃষ রাশির জাতক ও জাতিকাদের গলার সমস্যায় পড়তে হতে পারে। তাদের অগ্নীম সতর্কতা গ্রহন করা উচিত বিশেষ করে দাঁতের ব্যথা, ব্রণ এবং চোখের সমস্যার হাত থেকে রক্ষা পাবার জন্যে।

মঙ্গলের অবস্থান বৃষ রাশিতে শত্রু ভাবাপন্ন হওয়ায় আপনাকে উপদেশ দেওয়া হচ্ছে যে স্বাস্থ্য সম্বন্ধে আপনি সচেতন হোন। আপনার মাথায়, মুখে বা শরীরের অন্য কোনো অংশে আঘাতের ফলে ক্ষতচিহ্ন বা কোনো দাগ থাকার যথেষ্ট সম্ভাবনা আছে। দ্রুতগতিতে আসা যাওয়ার অভ্যাসটা পরিত্যাগ করুন, অন্যথায় দুর্ঘটনার আশঙ্কা উড়িয়ে দেওয়া যাচ্ছে না। উচ্চ-রক্তচাপ ও হার্টের অসুখ আপনার হতে পারে, তাই স্বাস্থ্য সম্বন্ধে বিশেষ সচেতন হওয়া প্রয়োজন। আপনার জীবনসংগীও শারীরিক দিক দিয়ে অসুস্থ হবেন।

আপনার মদ্যপান এবং কামনা চরিতার্থ করার প্রবনতা আছে, যার ফলে আপনার জীবনসংগী আপনার বিরুদ্ধে যেতে পারেন। যদি সবক্ষেত্রেই আপনি সাবধানতার সাথে এগিয়ে না যান, এমনকি পারিবারিক ক্ষেত্রেও, তাহলে আপনার জন্যে কঠিন সময় অপেক্ষা করে আছে। আপনার জন্মকুণ্ডলী থেকে দেখা যাচ্ছে যে আপনি শত্রুদের সাথে সংঘর্ষেও জড়িয়ে পড়তে পারেন।

## ঐশ্বর্য, পরিবার, চক্ষু ও কণ্ঠস্বর

আপনার জন্মের সময় মিথুন দ্বিতীয় স্থানে অবস্থান হেতু স্থানাধিপতি বুধ ইংগিত করে যে আপনি বর্তমান ও ভবিষ্যতে সঞ্চয়ের প্রতি অত্যন্ত আগ্রহী। আপনি সোনা ও জমি জায়গায় টাকা বিনিয়োগ করবেন। আপনি অত্যন্ত ভোজনরসিক হবেন বিশেষত মিষ্টির ব্যাপারে।

আপনি অত্যন্ত স্পষ্টবক্তা এবং নিজের ভুল বুঝতে পারলে মতামতের পরিবর্তন করেন। আপনি সুখী ও বিলাসপূর্ণ জীবন পছন্দ করেন এবং জমিজায়গা ও বাগানবাড়ী ক্রয় করতে আগ্রহী হবেন। আপনি অত্যন্ত অতিথিপরায়ন হবেন। তবে প্রতিদানে কিছু না পেলে আপনি হতাশ হয়ে পড়বেন।

মিথুন লগ্নে রাহু দ্বিতীয় স্থানে অবস্থানের দরুন অর্থ অপচয়ের সম্ভাবনা আছে ফলে অর্থ সঙ্কটের মধ্যে পড়বেন। আপনি অর্থ রোজগারের সহজ উপায় খুঁজে পেলেও অর্থ সঞ্চয় করতে হলে অধিক পরিশ্রম করতে হবে। আপনি নিজের অধিকার সনপর্কে সচেতন হবেন।



## মাতা, যানবাহন, সম্পত্তি, শিক্ষা

সাধারণত কোন ব্যক্তি সিংহ রাশি চতুর্থ স্থানে উত্থিত হওয়াকালীন জন্মগৃহন করলে, তার মাতৃস্থান অত্যন্ত শুভ হয় এবং মাতার দ্বারা সাফল্য পাওয়ার সম্ভাবনা থাকে। আপনি মায়ের জন্য গর্ব অনুভব করবেন। আপনি মায়ের শরীর সম্পর্কে সচেতন থাকবেন, কারণ তার অত্যধিক পরিশ্রমের ফলে দৈহিক ক্ষতি হতে পারে। আপনার উত্তরাধিকার সূত্রে সম্পত্তি পাওয়ার সম্ভাবনা কম।

আপনার সুন্দর গৃহের আকাংক্ষা বাস্তবায়িত হতে পারে এবং আপনি আপনার সামাজিক মর্যাদা অনুযায়ী যানবাহন পরিবর্তন করবেন।

আপনার শিক্ষা সাধারণ মানের হবে এবং উচ্চশিক্ষা অর্জনে আপনি সক্ষম হবেন না। এমনও হতে পারে যে নানা অসুবিধার কারণে শিক্ষার সাধারণ ডিগ্রী অর্জনও আপনার পক্ষে সম্ভব হল না।

আপনার শরীর সাধারণভাবে সুস্থ থাকবে। তবে আপনি বক্ষসংক্রান্ত পীড়ায় কষ্ট পাবেন। সুতরাং ধূমপান বিষয়ে বিরত থাকুন।



## বুদ্ধি, সন্তান, প্রেম ও প্রণয়

আপনার জন্মকালীন রাশি কন্যা পঞ্চম স্থানে উত্থিত হওয়ার ফলে আপনি বুদ্ধিমান এবং বৈদিকজ্ঞান সম্পন্ন হবেন। আপনি নিজের কাজ সম্পর্কে অত্যন্ত তৎপর। বুধের উপস্থিতি ইংগিত করে যে আপনি বিজ্ঞান, অঙ্কশাস্ত্র, হিসাবশাস্ত্র বিষয়ে আগ্রহী এবং নিজের কাজের ব্যাপারে সচেতন। আপনি জীবনসংগী পছন্দের ব্যাপারে সৌন্দর্যতা অপেক্ষা বুদ্ধিমত্তার উপর বেশী গুরুত্ব দেবেন।

কন্যা রাশি পঞ্চম স্থানের জাতক ও জাতিকা হওয়ায় আপনি কামুক এবং আবেগপ্রবণ হবেন। আপনার সন্তান সন্ততির সংখ্যা স্বল্প এবং আপনি তাদের শিক্ষার ব্যাপারে সময় ব্যয় করবেন। আপনার জীবনের প্রথমার্ধে দুর্ঘটনা অথবা অসুস্থতার দরুন সন্তান হারানোর সম্ভাবনা আছে।

আপনি গতানুগতিক নিয়মকানুনে বিশ্বাসী নন এবং বর্তমানের সঙ্গে তাল মিলিয়ে ভবিষ্যতের কথা চিন্তা করেন।

আপনি পেটের অসুখে ভুগতে পারেন সুতরাং খাদ্যের দিক থেকে নজর রাখুন।



## জীবনসঙ্গী, বিবাহ ও অংশিদার

যে সব জাতক ও জাতিকার জন্মকালীন রাশি বৃশ্চিক সপ্তম স্থানে অবস্থিত তারা অত্যন্ত সৌভাগ্যবান এবং সুজীবনসংগী ও সুগৃহের অধিকারী হবেন। আপনি বৃশ্চিক, মীন, কন্যা, মকর অথবা কর্কট রাশি ভুক্ত জাতক ও জাতিকাকে জীবনসংগী হিসাবে গ্রহন করলে সুখী হবেন।

আপনি পরিবারের সুখ ও স্বাচ্ছন্দ্যের জন্য সর্বপ্রকার চেষ্টা করলেও আপনার জীবনসংগী এ ব্যাপারে সংরক্ষনশীল হবেন। আপনি অন্তর্মুখী ধরনের হওয়ায় অন্যের প্রতি সহানুভূতি প্রদর্শনে ব্যর্থ হবেন। সুতরাং আপনি বহিমুখী হওয়ার চেষ্টা করুন।

আপনি আপনার পরিবারের প্রত্যেকেই সুন্দর বস্ত্র পরিধান, আরাম ও বিলাসিতার মাধ্যমে জীবন কাটানোর প্রতি সচেতন হবেন। গৃহ পরিবেশ শান্তিপূর্ণ হওয়ায় আপনি সর্বদাই জীবনের প্রতি আগ্রহী হবেন। সুশ্রী, সুসঙ্গীত, সুগায়ন, ও গয়না বিক্রয় সংক্রান্ত ব্যবসা আরম্ভ করবেন। কিন্তু আপনি যদি চাকুরীরত হন তবে আপনার জীবিকা অর্থবিষয়ক, কৃষি সংক্রান্ত, সংগীত অথবা মহিলা বস্ত্র সংক্রান্ত হওয়া উচিত।

বৃহস্পতি বৃশ্চিক রাশির সপ্তম স্থানে অবস্থান হেতু আপনার উচ্চ পরিবারের সংগে বিবাহের সম্ভাবনা আছে। কিন্তু সমস্ত কিছুর অধিকারী হওয়া সত্ত্বেও কোন আর্থিক সঞ্চয় আপনার পক্ষে সম্ভব নয় এবং কোন রকম পারিবারিক শান্তিও আপনি পাবেন না। আপনার ঋণ হওয়ার সম্ভাবনা আছে।

পরবর্তীকালে আপনার আকস্মিকভাবে অর্থ প্রাপ্তি হবে এবং কোন বন্ধুর সংগে ব্যবসায় যুক্ত হয়ে লাভবান হবেন। আপনার জনপ্রিয়তা বৃদ্ধি পাবে।





## পিতা, জীবিকা, মর্যাদা ও ক্ষমতা

যে সব জাতক ও জাতিকার জন্মকালীন রাশি কুম্ভ দশমস্থানে অবস্থিত, তারা অত্যন্ত কৃপন প্রকৃতির এবং নিজেদের সুখ স্বাচ্ছন্দ্য বিসর্জন দিয়ে অর্থ সঞ্চয়ের প্রবনতা আছে। এই সব জাতক ও জাতিকার কোন বৃহৎ সংস্কার সঙ্গে যুক্ত থাকার অথবা আই ডি অফিসার অথবা অভিনেতা হওয়ার সম্ভাবনা থাকে। যানবাহন যথা জাহাজ ও রপ্তানি, অসামরিক ও খনিজদ্রব্য, ইট, তামা এবং লৌহ সংক্রান্ত ব্যবসা আপনাদের পক্ষে অত্যন্ত লাভদায়ক।

আপনি রাজনীতির সঙ্গে যুক্ত হতে চাইলে সঠিক সময়ের জন্য অপেক্ষা করা উচিত। শনির দশা কেটে যাওয়ার পর আপনি রাজনীতিতে যুক্ত হলে যথেষ্ট সাফল্য পাবেন।

যে কোন প্রকার জুয়া খেলার প্রবনতা ত্যাগ করুন এবং আপনার পিতার ন্যায় সৎপথে জীবন যাপন করুন। আপনার পিতার এই সদৃশের দ্বারা আপনি প্রভাবিত হবেন।

বুধ কুম্ভ রাশির দশম স্থানে অবস্থিত হওয়ার ফলে আপনি ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে আশাতীত সাফল্য লাভ করবেন। কিন্তু কোন সম্পত্তিতে অর্থ বিনিয়োগের ব্যাপারে অত্যন্ত সচেতন হবেন কারণ এক্ষেত্রে প্রবল ক্ষতির সম্ভাবনা আছে। আপনি ব্যবসায়িক লাভ এবং সুখ স্বাচ্ছন্দ্যের জন্য শ্বশুরকুলের সাহায্য আশা করবেন। এমনকি পিতার সংগে আপনার মতের কিছু কিছু ক্ষেত্রে অমিল ঘটলেও তিনি সম্পূর্ণ রূপে আপনাকে সমর্থন করবেন।



## ফলাদেশ - 2019

আপনার জন্মপত্রিকা অনুসারে এই বছর বৃহস্পতি প্রথমস্থান অতিক্রম করবে। সুতরাং এই সময়ে আপনার সাধারণ ভাবে শুভ হবে। কিন্তু দশা ও অন্যান্য গ্রহের কুপ্রভাবের ফলে নেতিবাচক ঘটনা ঘটান সম্ভাবনা আছে। যারা কর্মরত তারা ব্যবসা অথবা কর্মক্ষেত্রে কাঙ্ক্ষিত সাফল্য পাবেন এবং লাভবান হবেন। বিভিন্ন দিক থেকে আপনার আর্থিক প্রাচুর্য হবে এবং আপনার আর্থিক অবস্থা ভাল হবে। যদি আপনি অবিবাহিত হন তবে শীঘ্রই আপনার বিবাহের যোগ আছে। সমাজে সম্মানীয় কাজের জন্য আপনার পরিচিতি হবে।

এই বছরে আপনার ধর্মের প্রতি ঝোঁক বাড়বে। ধার্মিক কার্যকলাপের প্রতি আপনার উৎসাহ থাকবে। আপনার অনেক অসমাপ্ত কাজ এই সময়ে এই বছর সমাপ্ত হবে। আপনার অত্যন্ত ব্যস্ত জীবনযাপনের দরুন আপনি ঘুম এবং বিশ্রাম থেকে বঞ্চিত হবেন। আপনার পারিবারিক সদস্যরা আপনাকে ভালবাসবেন।

শনি দ্বিতীয়স্থান অতিক্রম করার ফলে আপনার গৃহপরিবেশ শান্তিপূর্ণ থাকবে। অর্থনৈতিক ভারসাম্য বজায় থাকবে এবং মানসিক দিক থেকে আপনি সম্পূর্ণ শান্তি পাবেন। বিরোধীপক্ষ দুর্বল হওয়ার ফলে আপনি সহজেই কর্মক্ষেত্রে ও ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে উন্নতি করবেন। শনির সাড়েসাতির প্রভাবে আপনি নানা ধরনের বাধাবিপত্তির সম্মুখীন হবেন। কিন্তু কঠোর পরিশ্রমের দ্বারা আপনি তা কাটিয়ে উঠতে পারবেন। শনির মন্দ প্রভাবের হাত থেকে মুক্তির জন্য বাম হস্তের মধ্যমা আঙ্গুলে নীলা পরিধান করা বিশেষ প্রয়োজন।

রাহ অষ্টমস্থান এবং কেতু দ্বিতীয়স্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছর আপনি দৈহিক দিক থেকে সুস্থ থাকলেও মানসিক যন্ত্রণায় কষ্ট পাবেন। পরিবারের সদস্যদের মধ্যে অসন্তোষ দেখা দেবে। আপনার উপার্জন বৃদ্ধি পাওয়ার ফলে অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। লটারীর মাধ্যমে আকস্মিক অর্থপ্রাপ্তির সম্ভাবনা আছে। ব্যবসা বা কর্মক্ষেত্রে সাফল্য পেতে হলে আপনাকে পরিশ্রম করতে হবে।

বুধ রের মহাদশায় বুধ রের অন্তর্দশা ২২/০৮/২০১৯ তে শেষ হবে। তার পর কেতু রের অন্তর্দশা আরম্ভ হবে। বুধ দশম ভাবে কুস্ত রাশিতে স্থিত আছে, যদিও কেতু অষ্টম ভাবে ধনু রাশিতে স্থিত আছে।

বুধের এই অন্তর্দশায় আপনি প্রচুর উদ্যোগী এবং উদ্যমী হবেন। ব্যবসায় ভালো ফল পাবেন। কিছু উচ্চাকাঙ্ক্ষা বাস্তবায়িত হবে। চাকুরীজীবীদের ক্ষেত্রে কর্মক্ষেত্রের পরিবেশের উন্নতি হবে। পদোন্নতি হলে পদে, পদবিদ্যায় পৌখনত্ব সঞ্চিত থাকবে। জনসমক্ষে ভাবমূর্তি উ উন্নোচিত হতে পারে। ভাবমূর্তি ক্ষুণ্ণ করার জন্য শত্রুর প্রচেষ্টা বিফলে যাবে।

কেতুর অন্তর্দশায় আপনার মঙ্গল হবে। সব কাজের সুষ্ঠু অগ্রগতি হবে। ব্যবসায় সন্তোষজনক ফল পাবেন। আর্থিক দিকে লাভবান হবেন। চাকুরীতেও আপনার কাজের পরিবেশের উন্নতি হবে। কাজের চাপ হালকা থাকবে। বন্ধুদের থেকে পূর্ণ সহযোগিতা পাবেন। পরিবারে সবার সাথে ঘনিষ্ঠতা থাকবে ও আপনার সাথে ও সুসম্পর্ক থাকবে। কোথাও সফর করলে আশানুরূপ সাফল্য নাও হতে পারে।



## ফলাদেশ - 2020

বৃহস্পতি দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম এবং অন্যান্য গ্রহের সুপ্রভাবের ফলে এই বছর আপনার পক্ষে অত্যন্ত শুভ। আপনি ধর্মসংক্রান্ত ব্যাপারে আকৃষ্ট হয়ে ধর্মীয় অনুষ্ঠানে যোগদান করবেন। আপনি নিজের বাকচাতুর্যে অন্যকে প্রভাবিত করতে সক্ষম হবেন। গৃহপরিবেশে শান্তি বজায় থাকবে এবং পরিবারের সদস্যদের কাছ থেকে সহযোগিতা লাভ করবেন। ব্যবসায়িক দিক থেকে আপনি লাভবান হবেন এবং সম্পত্তি ক্রয় করবেন। নানাদিক থেকে আপনার অর্থপ্রাপ্তি ঘটবে। আপনি সমাজে শিক্ষিতা এবং সংস্কৃতি ভাবাপন্ন মহিলা হিসাবে স্বীকৃতি পাবেন।

এই বছর শনি তৃতীয়স্থান অতিক্রম করার ফলে এই সময়টি আপনার পক্ষে অত্যন্ত শুভ। ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে আকস্মিক পরিবর্তন ঘটবে এবং সর্বপ্রকার অসমাপ্ত কাজ আপনি সহজেই সম্পন্ন করতে পারবেন। এই সময়কালীন ভ্রমণ আপনার পক্ষে অত্যন্ত লাভজনক। কর্মক্ষেত্রে উন্নতির সম্ভাবনা আছে। সুতরাং এই বছর আপনার উন্নতির পক্ষে উপযুক্ত সময়।

রাহু অষ্টমস্থান এবং কেতু দ্বিতীয়স্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটি আপনার সামগ্রিকভাবে শুভ। এই সময় আপনি শারীরিক ও মানসিক দিক থেকে সুস্থ থাকবেন। গৃহে শান্তি বজায় থাকবে এবং পরিবারের সদস্যদের কাছ থেকে আপনি সহযোগিতা পাবেন। আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে এবং লটারীর মাধ্যমে আপনার আকস্মিক অর্থপ্রাপ্তির সম্ভাবনা আছে। ব্যবসা বা কর্মক্ষেত্রে আশানুরূপ সাফল্য পাবেন এবং গুরুত্বপূর্ণ কাজ সুষ্ঠুভাবে সম্পন্ন করতে পারবেন।

বুধ রের মহাদশায় কেতু রের অন্তর্দর্শা ১৯/০৮/২০২০ তে শেষ হবে। তার পর শুক্র রের অন্তর্দর্শা আরম্ভ হবে। কেতু অষ্টম ভাবে ধনু রাশিতে স্থিত আছে, যদিও শুক্র দশম ভাবে কুম্ভ রাশিতে স্থিত আছে।

কেতুর অন্তর্দর্শায় আপনাকে যথেষ্ট সতর্ক থাকতে হবে। অর্থহীন প্রকল্পে আপনি সময় নষ্ট করবেন। বিভিন্ন মানুষ আপনাকে ঠকাবে। ব্যবসায় আপনার আকাঙ্ক্ষিত সাফল্য আসবে না। অংশীদারদের থেকে নানান সমস্যা আসতে পারে। চাকুরীতেও আপনার কাজের পরিবেশের অবনতি হতে পারে। পরিবার পরিজনের মধ্যে সুসম্পর্ক থাকবে না ফলে পারিবারিক শান্তি বিঘ্নিত হবে। তবে ইতিবাচক দিকে আপনি কোন গুপ্তবিদ্যা বা মনস্তাত্ত্বিক বিষয়ে উৎসাহ পেতে পারেন। মনস্তাত্ত্বিক বা আত্মিক বিষয়ে কোন অভিজ্ঞতার ফল পেতে পারেন।

শুক্রের অন্তর্দর্শায় আপনি প্রত্যুতপন্নমতিত্ব করতে অসফল হবেন। ব্যবসাতে আপনি সফলতা পাবেন না। আপনি কারো সহযোগিতা পাবেন না। কর্ম পরিস্থিতি প্রতিকূল হয়ে উঠবে ক্রমশঃ। উচ্চ-পদস্থদের সাথে সংযোগ ভালো থাকবে না। আর্থিক দিক দিয়ে অসুবিধায় থাকবেন এ সময়ে। পারিবারিক সংগতির অভাব দেখা দেবে এবং পরিবারের সদস্যদের আন্তরিকতা থেকে আপনি বিচিহ্ন থাকবেন। আপনার খ্যাতি লাভে আশা আছে।



## ফলাদেশ - 2021

বৃহস্পতি চতুর্থ স্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটি আপনার পক্ষে সাধারণ ভাবে শুভ। আপনার দৈহিক সুস্থতা ও মানসিক শান্তি উভয় বজায় থাকবে। আপনার নানাদিক থেকে অর্থপ্রাপ্তির ফলে আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। আপনার নিজস্ব গাড়ী ও বাড়ী হওয়ার যোগ আছে। গৃহপরিবেশে শান্তি বজায় থাকবে এবং পরিবারের সদস্যদের কাছ থেকে সহযোগীতা লাভ করবেন। এই বছর আপনার বহু আকাঙ্ক্ষিত কোন স্বপ্ন বাস্তবায়িত হতে পারে। আপনার মাতৃভাব শুভ।

এই বছর শনি তৃতীয়স্থান অতিক্রম করার ফলে সামগ্রিকভাবে এই সময়টি আপনার পক্ষে শুভ। অসমাপ্ত কাজ আপনি সহজেই সম্পন্ন করতে পারবেন। ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে উন্নতির যোগ আছে। কর্মসূত্রে দুরভ্রমণের সম্ভাবনা আছে, যা আপনার পক্ষে অত্যন্ত লাভজনক এবং আপনি পদোন্নতির সুযোগ পাবেন। সমাজে আপনার পদমর্যাদা অক্ষুণ্ণ থাকবে। নানাদিক থেকে অর্থ প্রাপ্তির ফলে আপনার অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি হবে। আপনার জীবনসংগিনীর শারীরিক অসুস্থতা দেখা দিতে পারে। আপনি সমাজে পরিসেবামূলক কাজে সমস্যার সম্মুখীন হবেন তবে পরিশ্রম ও অধ্যবসায়ের দ্বারা আপনি সাফল্য লাভ করবেন। আপনি প্রভাবশালী রাজনীতিবিদদের সংস্পর্শে আসবেন কিন্তু তাদের কাছ থেকে কোন সহযোগীতা পাবেন না।

রাহু সপ্তমস্থান এবং কেতু প্রথমস্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটি আপনার সাধারণভাবে কাটবে। এই সময় আপনি দৈহিক দিক থেকে সুস্থ থাকলেও মানসিক যন্ত্রণায় কষ্ট পাবেন। আপনি কঠোর পরিশ্রমের ফলে সাফল্য পাবেন। আপনার স্ত্রীর শারীরিক সুস্থতা বজায় থাকবে না। আপনি কর্মক্ষেত্রে সহকর্মীদের দ্বারা বাধাবিপত্তির সম্মুখীন হতে পারেন। আপনার সামাজিক মর্যাদা ক্ষুণ্ণ হবে এবং অর্থোপার্জনের জন্য কঠোর পরিশ্রম করতে হবে। সুফল লাভের জন্য রাহু ও কেতুর আরাধনা করতে হবে।

এই বছরের বুধ মহাদশা এবং শুক্র রের অন্তর্দর্শা থাকবে। মহাদশা এবং অন্তর্দর্শা দুজনের স্বামী দশম ভাবে কুম্ভ রাশি তে স্থিত আছে।

শুক্রের অন্তর্দর্শায় আপনি আপনার বৃত্তির জন্য ভাল সুযোগ পাবেন। আপনার ব্যবসায় আপনি আশাপ্রদ ফল পাবেন। আপনি আপনার বর্তমান কর্ম প্রসারণ করতে পারেন অথবা নতুন কর্মপ্রচেষ্টায় রত থাকবেন। কর্মের পরিবেশ অনুকূল হয়ে উঠবে। আপনার উন্নতি বর্ধিত হতে পারে। পারিবারিক শান্তি বজায় থাকবে এবং পরিবারের সদস্যদের মধ্যে সম্প্রীতি থাকবে। আপনি বাড়ি বা গাড়ি ক্রয় করতে পারেন, বন্ধুদের থেকে আপনি আন্তরিকতা ও সহযোগিতা পাবেন।



## ফলাদেশ - 2022

বৃহস্পতি পঞ্চম স্থান অতিক্রম করার দরুন এবং দশা ও অন্যান্য গ্রহের সুপ্রভাবের ফলে এই সময়টি আপনার উন্নতির অত্যন্ত সহায়ক। মহিলাদের ক্ষেত্রে এই সময়টি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। আপনি ব্যবসায়িক দিক থেকে আশানুরূপ সাফল্য পাবেন। আপনি প্রভাবশালী রাজনীতিবিদদের সংস্পর্শে এসে উপকৃত হবেন এবং আর্থিক অবস্থার উন্নতি হবে। আপনি অধ্যয়নের প্রতি অনুরক্ত হবেন। এই বছর আপনার পুত্রসন্তান লাভের সম্ভাবনা আছে।

শনি চতুর্থস্থান অতিক্রম করার ফলে এই বছর আপনার সার্বিকভাবে শুভ এবং উন্নতির অনেক সুযোগ পাবেন। কর্মক্ষেত্রে বা রাজনৈতিক ক্ষেত্রে আপনার আত্মসম্মতি আসবে। বন্ধুবান্ধব এবং আত্মীয়স্বজনের কাছ থেকে আপনি পূর্ণ সহযোগিতা পাবেন। প্রচুর অর্থোপার্জনের ফলে আপনার আর্থিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। আপনি নতুন কোন কর্মের সঙ্গে যুক্ত হবেন এবং গৃহ বা সম্পত্তি বিক্রয় করবেন। এই ব্যাপারে আপনি সাময়িক ভাবে অসুবিধার সম্মুখীন হলেও ভবিষ্যতে অত্যন্ত লাভবান হবেন। শনির প্রভাবে আপনি মানসিক দিক থেকে অত্যন্ত কষ্ট পাবেন। এর থেকে মুক্তি পাওয়ার জন্য আপনাকে নীলা ধারণ করতে হবে।

এই বছর রাহু ষষ্ঠস্থান এবং কেতু দ্বাদশস্থান অতিক্রম করার ফলে এই সময়টি আপনার পক্ষে সাধারণভাবে শুভ। আপনি সমাজে সম্মানিত ব্যক্তি হিসাবে স্বীকৃতি লাভ করবেন। শত্রুপক্ষ আপনার ক্ষতিসাধনে ব্যর্থ হবে। আপনি মামলা সংক্রান্ত অথবা প্রতিযোগিতামূলক পরীক্ষায় জয়লাভের সুযোগ পাবেন। নানাদিক থেকে উপার্জনের ফলে অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে। আপনার শারীরিক দিক থেকে সুস্থতা বজায় থাকলেও মানসিক দিক থেকে অসন্তোষের সৃষ্টি হবে।

এই বছরের বৃহ মাহাদশা এবং শুক্র রের অন্তর্দর্শা থাকবে। মাহাদশা এবং অন্তর্দর্শা দুজনের স্বামী দশম ভাবে কুম্ভ রাশি তে স্থিত আছে।

শুক্রের অন্তর্দর্শায় আপনার কৌশল এবং নিয়মিত কাজের জন্য আপনি সুফল পাবেন, বহু প্রভাব বিশিষ্ট মানুষের সাথে সাক্ষাতকার হবে যারা আপনার জন্য উপকারী হবেন। আপনার ব্যবসার উন্নতি হবে। কর্মে সুনাম হবে এবং উচ্চপদস্থ কর্মচারীর সাথে সুসংযোগ থাকবে। আপনাকে অতিরিক্ত দায়িত্ব গ্রহণ করতে হতে পারে। এই সময়কাল আর্থিক ভাবে শুভ থাকবে। পরিবারে সকলের আচরণ আপনার প্রতি ভালো হবে এবং পারিবারিক সম্প্রীতি আশা করা যায়।



## ফলাদেশ - 2023

বৃহস্পতি ষষ্ঠ স্হান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটি আপনার সাধারণভাবেই কাটবে। আপনার শারীরিক সুস্থতা বজায় থাকলেও মানসিক অশান্তিতে ভুগবেন। কর্মরত মহিলাদের সাফল্য পেতে হলে অধিক পরিশ্রমের প্রয়োজন। শত্রুপক্ষের কাছ থেকে অপ্রয়োজনীয় বাধাবিঘ্নের সম্মুখীন হলেও আপনি তা কাটিয়ে উঠতে পারবেন। আপনার খরচের পরিমাণ বৃদ্ধি পেলেও অধিক অর্থোপার্জনের ফলে কোন অর্থনৈতিক সমস্যার সৃষ্টি হবে না। অধিক পরিশ্রমের দ্বারাই আপনি যে কোন কাজ সম্পন্ন করতে পারবেন।

শনি চতুর্থস্হান অতিক্রম করার ফলে এই বছরটিতে অনেক অসুবিধার মধ্য দিয়ে আপনার সাফল্য আসবে। পরিবারের সদস্য ও ভাইদের কাছ থেকে আপনি সহযোগীতা আশা করতে পারেন। অর্থনৈতিক অবস্থা সাধারণমানের হবে এবং ব্যবসায়িক দিক থেকে সাফল্য পাবেন। আপনি জমিজায়গায় অর্থবিনিয়োগ করবেন এবং ভবিষ্যতে লাভবান হবেন। শনির প্রভাবে আপনি অপ্রয়োজনীয় বাধাবিঘ্নের সম্মুখীন হবেন এবং মানসিক যন্ত্রণায় ভুগবেন। এর থেকে মুক্তি পাওয়ার জন্য আপনাকে বাম হস্তের মধ্যমা আঙ্গুলে নীলা পরিধান করতে হবে।

রাহু ষষ্ঠস্হান এবং কেতু দ্বাদশস্হান অতিক্রম করার ফলে আপনি এই বছর মিশ্রফল লাভ করবেন। আপনার সামাজিক মর্যাদা বৃদ্ধি পাবে এবং প্রতিবেশীরা আপনার দ্বারা প্রভাবিত হবে। আপনি শত্রুপক্ষকে পরাজিত করতে সমর্থ হবেন। এই বছর আপনার প্রতিযোগিতামূলক পরীক্ষায় সফল হওয়ার সম্ভাবনা আছে। আপনার উপার্জন বৃদ্ধি পাওয়ার ফলে অর্থনৈতিক অবস্থার উন্নতি ঘটবে কিন্তু আপনি পেটের অসুখ, কোষ্ঠকাঠিন্য, গ্যাসট্রিক জাতীয় শারীরিক অসুস্থতায় কষ্ট পাবেন।

বুধ রের মহাদশায় শুক্র রের অন্তর্দর্শা ১৯/০৬/২০২৩ তে শেষ হবে। তার পর রবি রের অন্তর্দর্শা আরম্ভ হবে। শুক্র দশম ভাবে কুম্ভ রাশিতে স্থিত আছে, যদিও রবি একাদশ ভাবে মীন রাশিতে স্থিত আছে।

শুক্রের অন্তর্দর্শায় আপনি উন্নতিলাভ করার সুযোগ পাবেন, আপনি ব্যবসায় লাভবান হবেন। ব্যবসার বিস্তার করতে পারেন অথবা নতুন কর্ম প্রচেষ্টায় সফলতা পাবেন। কর্ম পরিস্থিতি অনুকূল হয়ে উঠবে। কর্মে উন্নতি হবে অথবা এক ভালো চাকুরীর আশা করা যায়। পরিবারের সকলের আপনার প্রতি আন্তরিকতা থাকবে এবং পারিবারিক সম্প্রীতি বজায় থাকবে। এক সুপ্রসন্ন অনুষ্ঠান আপনার পরিবারে পালন করা হবে। আনুষ্ঠানিক বিবাহ অথবা জন্ম উপলক্ষেও হতে পারে। আপনি ঘরোয়া ব্যাপারে ব্যয় করতে পছন্দ করবেন।

সূর্যের অন্তর্দর্শা নির্দেশ করে যে আপনার দীর্ঘ আকাঙ্ক্ষিত ইচ্ছাপূরণ হবে। আপনি লাভজনক চুক্তিতে আবদ্ধ হবেন। আর্থিকভাবে আপনার উন্নতি হবে। আপনার অনেক প্রভাবসম্পন্ন ব্যক্তির সাথে যোগাযোগ হবে এবং তাদের সাথে বন্ধুত্ব হবে। আপনার স্থিতিতে উন্নতি হবে। আপনার বন্ধু ও হিতাকাঙ্ক্ষীরা আপনাকে সার্বিক সাহায্য করবে। আপনার ভ্রমণ হবে এবং এগুলি আপনার জন্য অত্যন্ত লাভজনক হবে। যদি আপনি বিদেশ যেতে চান তবে এই সময়েই আশা পূর্ণ হবে। পরিবারের সকল সদস্যের আপনার সহিত ভাল ব্যবহার থাকবে এবং পরিবারে মিলমিশ থাকবে। আপনার ভাই বোনরা নিজ নিজ ক্ষেত্রে ভাল করবে।



## দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- বুধ

( 26/03/2019 - 26/03/2034 )

বুধের মহাদশা ২৬/০৩/২০১৯ আরম্ভ হবে ও ১৭ বছর পরে ২৬/০৩/২০৩৪ সমাপ্ত হবে আপনার জন্মকুণ্ডলীতে বুধ দশম ভাবে অবস্থিত। বুধের দৃষ্টি চতুর্থ ভাবের উপর আছে। এর পূর্বে আপনার ৯ বর্ষ শনির দশা চলছিল। শনিরে কারণে সন্তানসুখ ও শত্রু বিজয় ও কার্য স্থানের স্থিতি অনুকূল ছিল। বুধের দশায় আপনার যশ, খ্যাতি, জীবনে প্রগতি, সম্মান ও উত্তম শিক্ষা লাভ হবে।

স্বাস্থ্য :

বুধের এই দশায় আপনার সুস্বাস্থ্যের লাভে সম্ভাবনা প্রবল। আপনি অত্যন্ত উৎসাহী, কর্মঠ এবং শক্তিশালী হবেন। ঋতু পরিবর্তনের কারণে কিছু সাধারণ অসুস্থতা ভোগ করতে পারেন। যেমন জ্বর, বিজানু জনিত সংক্রামক রোগ, চর্ম রোগ এবং স্নায়বিক দুর্বলতা ইত্যাদি। আপনাকে অধিক মানসিক ও শারীরিক পরিশ্রম করতে হবে।

অর্থ ও জীবিকা :

এই দশায় আপনার আর্থিক স্থিতি অত্যন্ত সুদৃঢ় হবে। আপনি আপনার কর্মক্ষেত্রে এবং ব্যবসায় অর্থলাভ করবেন। আপনার জমি-জায়গা থেকেও অর্থলাভ হবে। আপনি মাতা-পিতার থেকেও লাভ পাবেন। ফাটকা ব্যবসায়, অর্থ-নিবেশ লাভদায়ক হবে। জীবিকার জন্য সাংবাদিকতা, শিক্ষকতা, অন্তরিক্ষ অনুসন্ধান এবং অন্যান্য বৌদ্ধিক কার্য গ্রহণ করতে পারেন। সূতী বস্ত্র, রত্ন ব্যবসা, পুস্তক ও প্রকাশনা ইত্যাদি জীবিকা হিসাবে আপনার জন্য অতি উত্তম। চাকুরীরত ব্যক্তির সম্মান ও আয় বৃদ্ধি নিজের সহকর্মী ও উচ্চাধিকারীদের সহযোগিতা ও অনুগ্রহ প্রাপ্ত করবেন। ব্যবসায় যুক্ত ব্যক্তির নিজের ব্যবসা বিস্তার কার্য ক্ষেত্রে উন্নতি আর্থিক এবং ব্যবসায়িক সমৃদ্ধি লাভ করবেন।

বাহন, যাত্রা, জমি-জায়গা :

গুরু অন্তর্দশায় আপনি জীবনের সমস্ত সুখ লাভ করবেন। জমি-জায়গা সংক্রান্ত লেন-দেন লাভপ্রদ হবে। চল-অচল সম্পত্তি থেকেও লাভযোগ দেখা যায়। আপনি বাহন সুখ প্রাপ্ত করবেন। মঙ্গলের অন্তর্দশায় কিছু নিকট ভ্রমণ এবং সূর্যে অন্তর্দশায় সুদূর ভ্রমণ যোগ ছাড়া কার্যের প্রয়োজনেও যাত্রা সম্ভব।

শিক্ষা :

এই দশায় আপনার শিক্ষা অতি উত্তম হবে। আপনার শৈক্ষিক যোগ্যতা জীবিকার্জনের সম্ভাবনা বৃদ্ধি করবে। বিজ্ঞান, বাণিজ্য, সাহিত্য, ব্যবসায় ইত্যাদি বিষয়ে আপনার আগ্রহ হতে পারে। আপনি প্রতিভাশালী হওয়ায় বিভিন্ন বৌদ্ধিক, শৈক্ষিক এবং বিশ্লেষণাত্মক কার্যে অত্যন্ত শূভ ফল লাভ করতে পারবেন। বিভিন্ন বিষয়ে আপনি নিজের শ্রেষ্ঠত্ব প্রমাণে সক্ষম হতে পারেন।

পরিবার :

আপনার সন্তানদের সঙ্গে সম্বন্ধ খুবই মধুর হবে। আপনি সন্তানদের জন্য সুখী ও গর্বিত বোধ করবেন। আপনার জীবনসার্থী অচল সম্পত্তি বৃদ্ধি পাবে। তিনি অনেক মিত্র লাভ করবেন এবং সুখ-সমৃদ্ধি প্রাপ্ত করবেন। আপনার সঙ্গে তার সম্বন্ধ ভালো থাকবে। আপনার মাতা বিদেশ যাত্রা অংশীদারী



থেকে লাভ এবং অধ্যাত্মিক কার্যে আগ্রহ প্রকাশ করবেন। আপনার পিতা অর্থ সংগ্রহ ও সুখ প্রাপ্ত করবেন। আপনার ছোট ভাই বোনেরা তাদের কর্মক্ষেত্রে শুভ পরিবর্তনের দ্বারা হঠাৎ লাভ পাবেন। বড় ভাই-বোনেরা কোনো শুভ উদ্দেশ্যে অর্থ ব্যয় করবেন। এদের সকলের সঙ্গেই আপনার সম্পর্ক খুবই ভালো থাকবে। বুধের এই দশায় আপনি যশ, সম্মান, সমৃদ্ধি ও সফলতা লাভ করবেন।

অন্তর্দশা :

বুধের মহাদশায় বুধের অন্তর্দশার ফলস্বরূপ আপনি জীবিকা ক্ষেত্রে সাফল্য যশ ও খ্যাতি লাভ করবেন। কেতুর অন্তর্দশা কিছু অসুবিধা সৃষ্টি করতে পারে। শুক্রের অন্তর্দশায় আপনি ধন-সম্পত্তি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত হবে। সূর্যের অন্তর্দশায় ব্যয় ও ভ্রমণ যোগ দেখা যায়। চন্দ্রের অন্তর্দশায় আপনি সর্বপ্রকার লাভ পাবেন। মঙ্গল অন্তর্দশায় আপনাকে কিছু বাধার সম্মুখীন कराবে এবং আপনি নিকট ভ্রমণ যেতে পারেন। রাহুর অন্তর্দশা আপনার জীবনে কিছু বাধার সৃষ্টি করতে পারে। গুরুর অন্তর্দশা ফলস্বরূপ আপনি সুখ শান্তি এবং অংশীদারের থেকে লাভ পাবেন। শনির অন্তর্দশায় আপনি সন্তানসুখ প্রাপ্ত করবেন।

Phone: +91-341-2668022  
Mobile : +91 -9732150484  
Whatsapp : +91 -9732150484



**RATNA JYOTI**®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>  
E-Mail: [astrology@ratnajyoti.com](mailto:astrology@ratnajyoti.com)

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322



**অন্তর্দর্শা :- বুধ - বুধ**  
**( 26/03/2019 - 22/08/2019 )**

আপনার বুধের মহাদশা ২৬/০৩/২০১৯ আরম্ভ হয়েছে। এই মহাদশার প্রথম অন্তর্দর্শা বুধের, ভোগ্যকাল ২ বছর ৪ মাস ২৭ দিন। আপনার এই অন্তর্দর্শা ২৬/০৩/২০১৯ আরম্ভ হয়ে ২২/০৮/২০১৯ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি বুধ বুদ্ধিমত্তা, স্মৃতি ও বাণীর কারক।

এই দশায় আপনি কার্যক্ষেত্রে সফল হবেন। নিজের উদ্দেশ্যের প্রতি সজাগ থাকবেন। কার্যে এবং কার্যক্ষেত্রে সফল হবেন। উচ্চাধিকারীদের প্রসন্নতা প্রাপ্ত করবেন। ধন লাভ প্রসিদ্ধি ও শত্রুদের উপর বিজয় লাভে সম্ভাবনা আছে। বিজ্ঞান, গণিত, ব্যবসায় ও লেখন কার্যের জন্য সময় অতি শুব। আপনি পারিবারিক সুখ ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত করবেন। অচল সম্পত্তি ও বাহন ক্রয় করতে পারেন। আপনার বহু মিত্র লাভ হবে।

আপনার জীবনসাথীর পারিবারিক সুখ লাভ হবে। আপনার পিতা কর্মে সফলতা ও পারিবারিক সুখ প্রাপ্ত করবেন। মাতা অংশীদারের থেকে লাভ ও নতুন ব্যবসায় শুরু করতে পারেন।

আপনার ভাই-বোনের বিবিধ লাভ, জ্ঞান বিজ্ঞানে সক্রিয়তা কিছু ভ্রম ও সামান্য বাধার সপ্তে দেখা যায়। আপনার সন্তানের স্বাস্থ্য ভালোই তার প্রতিযোগীদের উপর সফলতা প্রাপ্তি হবে। যদি কার্যরত হয় তাহলে এবং মামার বাড়ী থেকে লাভ পাবেন।

আপনি চাকুরীরত হলে সৌভাগ্যশালী এবং উচ্চপদ প্রাপ্ত করবেন। পরামর্শদাতাদের লাভ হবে। ব্যবসায়ীদের পূর্ববিনিবেশ থেকে লাভ হওয়া সম্ভব।

আপনার স্বাস্থ্য ভালোই কিছু বাত ইত্যাদির কষ্ট হতে পারে। অরিষ্ট থেকে মুক্তি পেতে সমাজ সেবা সংস্থায় দান করুন।

**অন্তর্দর্শা :- বুধ - কেতু**  
**( 22/08/2019 - 19/08/2020 )**

আপনার বুধের মহাদশা ২৬/০৩/২০১৯ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশার দ্বিতীয় অন্তর্দর্শা কেতু গৃহের। দশা ভোগ কাল ১১ মাস ২৭ দিন। আপনার এই অন্তর্দর্শা ২২/০৮/২০১৯ আরম্ভ হয়ে ১৯/০৮/২০২০ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি কেতু মোক্ষ ও মাতামহের কারক।

এই দশায় আপনার জীবনসাথী ব্যবসায় ও অংশীদার থেকে অর্থোপার্জন করবে। ধনসঞ্চয় হবে। উত্তরাধিকার উপহার ও উইল দ্বারা ধনবান হতে পারেন। পারিবারিক জীবনে কিছু অশান্তি হতে পারে। কটু বাক্য প্রয়োগ করবেন না। আপনার উত্তম শিক্ষা ও সুখ সামগ্রী লাভ হবে। সরকার ও অন্য মাধ্যম থেকে লাভ হতে পারে। আপনি আনন্দ সহকারে জীবন অতিবাহিত করবেন।

আপনার জীবনসাথী অংশীদারের থেকে লাভ পাবে। পিতার আধ্যাত্মিকতায় রুচি ব্যয় বৃদ্ধি ও ভ্রমণ যোগ দেখা যায়। মাতা সৌভাগ্যশালিনী ও ধনশালিনী হবেন। তার দর্শনশাস্ত্র ও বিনিবেশ থেকে লাভ যোগ দেখা যায়। আপনার ভাই-বোনেরা কার্যক্ষেত্রে সফলতা লাভ করবে।

আপনার সন্তান সফল ও প্রশংসিত হবে। যদি কর্মরত হয় তাহলে সর্বকার্যে সাফল্য লাভ



করবে।

আপনি চাকুরীরত হলে উচ্চাধিকারীদের সহযোগিতা ও বিরোধীদের উপর বিজয় লাভ করবেন। পরামর্শদাতাদের উত্তম আয় ও ব্যবসায়ীদের অংশীদারের থেকে লাভ প্রাপ্ত হবে।

আপনার স্বাস্থ্য উত্তম হলেও শরীরের খেয়াল রাখুন। অরিষ্ট দূরী করনে কুকুর কে ভোজন করান।

**অন্তর্দর্শা :- বুধ - শুক্র**  
**( 19/08/2020 - 19/06/2023 )**

আপনার বুধের মহাদশা ২৬/০৩/২০১৯ আরম্ভ হয়েছিল। এই মহাদশার তৃতীয় অন্তর্দর্শা শুক্রের, ভোগ্যকাল ২ বছর ১০ মাস। আপনার এই অন্তর্দর্শা ১৯/০৮/২০২০ আরম্ভ হয়ে ১৯/০৬/২০২৩ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি শুক্র সৌন্দর্য, শান্তি ও সমৃদ্ধির কারক গ্রহ।

এই দশায় আপনি কার্যক্ষেত্রে সফলতা প্রতিযোগী ও বিরোধীদের উপর বিজয় লাভ করবেন। আপনি সুখ ও আরামদায়ক জীবন অতিবাহিত করবেন। আপনার বহু মিত্র লাভ, ধন লাভ, উচ্চপদ প্রাপ্তি সমাজে প্রতিষ্ঠা ইত্যাদি প্রাপ্ত করবেন। পরিবারে সব সুখ সামগ্ৰী থাকবে। মাতা, পরিবার ও মিত্রদের সঙ্গে স্নান মধুর হবে। আপনি শিক্ষায় সফল হবেন। অচল সম্পত্তি ও বাহন প্রাপ্ত করবেন।

আপনার জীবনসাথী সৌভাগ্যশালী, ধনী ও অচল সম্পত্তি প্রাপ্ত করবেন। আপনার পিতার বিভিন্ন মাধ্যম থেকে লাভ হবে। মাতার অংশীদারী ও ব্যবসায় লাভ হবে। আপনার ভাই-বোনের অপ্রত্যাশিত পরিবর্তন, অকস্মাৎ লাভ, সুখ সুবিধা যুক্ত ভ্রমণ ও ব্যয় বৃদ্ধি হতে পারে। আপনি শত্রুবিজয় ও ধন সঞ্চয় সমর্থ হবেন।

আপনার সন্তানের স্বাস্থ্য উত্তম প্রতিযোগিতা ও পরীক্ষায় সাফল্য লাভ হবে। কর্মরত হলে কার্যক্ষেত্রে সাফল্য আয় বৃদ্ধি ও ধনবান হওয়ার সপ্তে দেখা যায়।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে সৌভাগ্যশালী হবেন ও ধন লাভ করবেন। ব্যবসায়ীরা পূর্ব বিনিবেশ দ্বারা লাভ প্রাপ্ত করবেন।

আপনার উত্তম স্বাস্থ্য লাভ হবে। শুভ বৃদ্ধির জন্য চাল, শ্বেত বস্ত্র ও দধি দান করুন।

**অন্তর্দর্শা :- বুধ - রবি**  
**( 19/06/2023 - 25/04/2024 )**

আপনার বুধের মহাদশা ২৬/০৩/২০১৯ আরম্ভ হয়েছিল। এই মহাদশার চতুর্থ অন্তর্দর্শা সূর্য গ্রহের, যার ভোগ্যকাল ১০ মাস ৬ দিন। আপনার এই অন্তর্দর্শা ১৯/০৬/২০২৩ আরম্ভ হয়ে ২৫/০৪/২০২৪ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি সূর্য স্বাস্থ্য, উৎসাহ-উদ্দীপনা ও আত্মার কারক গ্রহ।

এই দশায় আপনি উচ্চপদ, সাফল্য, সমৃদ্ধি ও সম্মান প্রাপ্ত করবেন। আপনার পারিবারিক সুখ লাভ হবে। বড় ভাই-বোনের সঙ্গে সুসম্পর্ক স্থাপিত হবে। কিছু মহত্বপূর্ণ ব্যক্তিদের সঙ্গে মিত্রতার স্নান হতে পারে। আপনি সন্তান সুখ লাভ করবেন। বিনিবেশ ও ফটকায় লাভ হবে। আপনার উত্তম শিক্ষা

Phone: +91-341-2668022  
Mobile : +91 -9732150484  
Whatsapp : +91 -9732150484



**RATNA JYOTI**®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>  
E-Mail: [astrology@ratnajyoti.com](mailto:astrology@ratnajyoti.com)

**Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322**

লাভ, আধ্যাত্মিকতায় আগ্রহ ও সুস্বাস্থ্য লাভ হবে।

আপনার জীবনসার্থী অংশীদারের থেকে লাভ, ইচ্ছাপূর্তি, ব্যবসায় সাফল্য এবং কিছু ভ্রমণ যোগ দেখা যায়। আপনার পিতার ধনার্জন হবে। তিনি সুখ সুবিধা যুক্ত হবেন। তার সাহিত্য ক্ষেত্রে লাভ হওয়া সম্ভব। মাতা অকস্মাৎ ধন লাভ করবেন তার আধ্যাত্মিকতায় আগ্রহ বাড়বে।

আপনার ভাই-বোন সৌভাগ্যশালী হবেন। তারা পিতার থেকে লাভ উচ্চাধিকারীদের প্রসন্নতা প্রাপ্ত করবে। তাদের ধর্মে রুচি বৃদ্ধি, সাফল্য ও উচ্চপদ প্রাপ্তি প্রগতি ও সম্মান লাভ করবে।

আপনার সন্তান সফল হবে। তার ইচ্ছা পূর্ণ হবে। শিক্ষায় প্রগতি লাভ করবে। কর্মরত হলে ইচ্ছামত স্থানে স্থানান্তরণ পেতে পারে।

যদি আপনি চাকুরীরত হন তাহলে আপনার আয় বৃদ্ধি হবে। পরামর্শদাতাদের ধন লাভ হবে। ব্যবসায়ীরা প্রচুর অর্থ লাভ করবে। আপনার স্বাস্থ্য ভালো থাকলেও চোখ ও কানের রোগ হওয়া থেকে সাবধান থাকুন।

